रजिस्ट्री सं॰ डी॰एल॰-33004/97

REGD. NO. D.L.-33004/97

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 48] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 12, 1997/भाद्र 21, 1919

No. 48] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 12, 1997/BHADRA 21, 1919

दि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया
(कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 के अधीन)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1997

फा. स. 104/25/लेखा:—31 मार्च, 1997 को समाप्त वर्ष की दि इंस्टीटयूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया की परिषद की सत्रहवीं वार्षिक रिपोर्ट।

1. प्रस्तावना

1.1 कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18 की उपधारा 18(5) के अनुसरण में दि इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज की परिषद की 31 मार्च, 1997 की 17वीं वार्षिक रिपोर्ट और इस अवधि के लेखों का परीक्षित विवरण तथा उन पर इंस्टीट्यूट के कामकाज की लेखापरीक्षक रिपोर्ट प्रकाशित करती है।

1.2 इस वर्ष और पिछले कुछ वर्षों में व्यवसाय के बारे में जागरूकता पैदा करने के निरन्तर प्रयास के कारण सदस्यों तथा विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन में वृद्धि हुई है। कंपनी सचिवों का व्यवसाय ऊंचे स्थान पर प्रतिष्ठित हुआ है और विद्यार्थियों में कंपनी सचिव का कैरियर अब भी उनका मनपसंद कैरियर है।

2. नई घटनायें

2.1 24वां राष्ट्रीय कंपनी सचिव सम्मेलन :

28 और 29 नवंबर, 1996 को कलकत्ता में "21वीं शताब्दी की परिकल्पना" (Vision 21st century) विषय पर 24वां राष्ट्रीय कंपनी सचिव सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया और विचार विमर्श उच्च स्तर का रहा। परिषद इस बारे में पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना करती है।

2.2 भारत सरकार के सम्माननीय वित्त मंत्री जी के साथ बैठक:

12 जुलाई, 1996 को इंस्टीट्यूट के एक प्रतिनिधिमंडल ने, जिसमें इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष महोदय, परिषद सदस्य और सचिव शामिल थे। भारत सरकार के माननीय वित्त मंत्री श्री पी० चिदंबरम् के साथ मुलाकात की, जिसमें उन्हें निगम क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों से अवगत कराया गया जहां कंपनी सचिवों की सेवाओं का कारगर ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है।

2293 GI/97—1

2.3 भारत सरकार के माननीय वित्त राज्य मंत्री के साथ बैठक

17 मार्च 1997 को इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष महोदय, परिषद सदस्य और अधिकारियों ने भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री श्री वीरेन्द्र कुमार के साथ मुलाकात की, जिसमें कंपनी सचिवों के व्यवसाय के संबंध में कंपनी अधिनियम, 1956 में कार्यकारी समूह की सिफारिशों पर चर्चा की गई। इंस्टीट्यूट के माननीय मंत्री महोदय के सामने सुझाव और टिप्पणियां भी रखीं।

2.4 सेबी के चेयरमैन और वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठक:

26 मार्च 1997 को इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष, परिषद सदस्य और अधिकारियों ने सेबी के चेयरमैन और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात की, जिसमें उन क्षेत्रों के बारे में चर्चा की गई, जिनमें कंपनी सचिवों की सेवाओं को कारगर ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है ताकि सेबी के पूंजी बाजार को विकसित और नियमित करने के अंतिम उद्देश्य को हासिल किया जा सके।

2.5 नई मुंबई में अनुसंधान केन्द्र (सी सी आर टी)

नई मुंबई में स्थापित निगम अनुसंधान और प्रशिक्षण केन्द्र (सी सी आर टी) भवन निर्माण का कार्य के पूरा कर लिया है और दिसंबर 1996 के अंतिम सप्ताह में वास्तु पूजा की गई थी। आशा है कि केन्द्र इस वर्ष (1997-98) में अपना काम-काज शुरू कर देगा।

यह केन्द्र शिक्षा, प्रशिक्षण, परामर्श, अनुसंधान और प्रकाशनों के माध्यम से उत्तम किस्म के निगम व्यवसायिकों को तैयार करने के काम में जुटा है। यह केन्द्र विधि, वाणिज्य, व्यापार-प्रबंध, प्रशिक्षण और अनुसंधान की अनेकानेक सुविधाएं प्रदान करेगा। यह केन्द्र आने वाले दिनों में निगम जगत की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करेगा और अनुसंधान करेगा और तदनुसार व्यावसयिकों को प्रशिक्षण देगा।

3. परिषद

3.1 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष :

परिषद की 92वीं बैठक 1 जनवरी 1997 को हुई जिसमें 1 जनवरी 1997 वर्ष के लिए श्री डी० के प्रहलाद राव के अध्यक्ष और श्री अमित के. सेन को उपाध्यक्ष चुना गया।

3.2 बैठकें

समिति की विभिन्न बैठकों के अलावा परिषद ने 1996-97 के दौरान 5 बैठकें आयोजित कीं।

3.3 समितियां आदि

परिषद द्वारा गठित विभिन्न समितियों, विशेषज्ञ ग्रुपों और परामर्शी बोर्डों का विवरण इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'क' में दिया गया है।

4. क्षेत्रीय परिषदें और शाखायें

4.1 क्षेत्रीय परिषदें

चारों क्षेत्रीय परिषदों ने बड़े उत्साह और जोश से अपनी गतिविधियां और कामकाज को चला कर परिषद को अपना समर्थन और सहायता देना जारी रखा। क्षेत्रीय परिषदों ने कैरियर मेलों, फोन -इन कार्यक्रमों, सेमिनारों, मार्गनिर्देशी बैठकों, विद्यार्थी सम्मेलनों, एस एम टी पी कार्यक्रमों, मौखिक शिक्षण कक्षाओं, विद्यार्थी मार्गनिर्देशी बैठकों, अध्ययन सर्किल बैठकों और क्षेत्रीय सदस्यों के सम्मेलनों का आयोजन किया। ये परिषदें पुस्तकालयों को भी व्यापक रूप से अद्यतन रखने, समाचार -बुलेटिन प्रकाशित करने और आंकड़े रखते हुए रोजगार सेवाएं प्रदान करने, सदस्यों /विद्यार्थियों को जानकारी देने, इंस्टीट्यूट के प्रकाशनों की बिक्री करने का काम भी कर रही हैं परिषद के निर्देशानुसार, मुख्यालय द्वारा की जाने वाली कुछ गतिविधियों का विकेन्द्रीकरण कर इन्हें उत्तर भारत क्षेत्रीय परिषद को सौंपा जा रहा है तथा अन्य क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं में भी चरणबद्ध ढंग से विकेन्द्रीयकरण किया जा रहा है। 31 मार्च 1997 को क्षेत्रीय परिषद की रिजर्व और अधिशेष राशि तथा प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद में सदस्यों और विद्यार्थियों की संख्या नीचे दी गई है :

मद	पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद	उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद	दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद	पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद
(क) वित्तीय स्थिति :				
(i) अधिशेष 1996-97 रु०	60, 884	10,84,349	53,321	(-)72,751
(ii) रिजर्व	13,28,236	29,80,879	16,95,356	2,72,405
(ख) नियमित पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की संख्या				
31 मार्च 1997 को	20,525	45,385	29,231	31,624
31 मार्च 1996 को	17,999	34,904	27,563	24,076
1996 -97 के दौरान %वृद्धि	14.0	30.0	6.1	31.4
(ग) फाउंडेशन पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की संख्या				
31 मार्च 1997को	11,254	34,762	11,918	12,966
31 मार्च 1996 को	7,497	22,139	8,033	8,664
1996-97 के दौरान %वृद्धि	50.1	57.0	48.4	49.7
(घ) सदस्यों की संख्या				
31 मार्च 1997 को	1348	3007	3026	3963
31 मार्च 1996 को	1428	2791	2779	3667
1996-97 के दौरान % वृद्धि	(-)5.6	7.7	8.9	8.1

4.2 शाखायें

1996-97 के दौरान सभी 36 शाखाओं की प्रबंध समितियों का के चुनाव कराए गए और कंपनी सचिव विनियमावली, 1982 तथा सचिव शाखाओं की मार्ग- निर्देशिका 1983 के प्रावधानों के अनुसार उनका

पुनर्गठन किया गया। इस वर्ष के दौरान शाखाओं में विद्यार्थियों को शिक्षण , मौखिक शिक्षण कक्षाओं को लगाने और प्रशिक्षण देने तथा सदस्यों के लिये व्यावसायिक विकास कार्यक्रम आयोजित करने की अनेक गतिविधियां संपन्न की गईं। आज तक जिन तेरह शाखाओं के अपने कार्यस्थल हैं उनके नाम इस प्रकार हैं:—

अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, कोचीन, डोम्बीवाली , गाजियाबाद, गोआ, हैदराबाद, इन्दौर,जयपुर, कानपुर,पुणे और वडोदरा।

4.3 सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार

1995 के सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार कलकत्ता में आयोजित 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में निम्नलिखित शाखाओं को दिये गये :

सर्वोत्तम राष्ट्रीय शाखा पुरस्कार

कानपुर और जयपुर को संयुक्त रूप से दिया गया ।

सर्वोत्तम क्षेत्रीय शाखायें :

पूर्व- भुवनेश्वर
उत्तर-कानपुर और जयपुर
दक्षिण- हैदराबाद
पश्चिम - पुणे

4.4 सैटेलाइट शाखाएं :

इंस्टीट्यूट की परिषद ने सैटेलाइट शाखाओं के लिए मार्गनिर्देश निर्धारित किए हैं। तदनुसार निम्नलिखित स्थानों पर 9 सैटेलाइट चैनल स्थापित किए गए हैं :

उत्तर-आगरा, इलाहाबाद, गुड़गांव, जोधपुर, मेरठ।
दक्षिण- हुबली, धारवाड़, कोट्टयम, त्रिचुर।
पश्चिम-नासिक

इंस्टीट्यूट के प्रकाशनों और अध्ययन सामग्री की प्रतियां सेटेलाइट शाखाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जाती हैं।

5. सदस्य

5.1 सदस्यों और प्रैक्टिस प्रमाणपत्र धारियों की संख्या में वृद्धि

31 मार्च को सदस्यों की संख्या

	1993	1994	1995	1996	1997
एसोसिएट	6789	7119	7598	8012	8481
फैलो	2059	2209	2408	2653	2863
प्रैक्टिस प्रमाणपत्रधारी	609	699	735	799	887

1996-97 के दौरान 763 एसोसिएट सदस्य तथा 228 फैलो सदस्यों को प्रविष्ट किया गया। 31 मार्च 1997 को इंस्टीट्यूट के रजिस्ट्रर में 11344 सदस्य दर्ज थे, जिनमें से 8481 एसोसिएट और 2863 फैलो सदस्य थे। 31 मार्च 1997 को विदेशों में रहने वाले सदस्यों की संख्या 234थी। इस वर्ष के दौरान परिषद को 23 सदस्यों की मृत्यु की सूचना देते हुये दुख है।

5.2 1996-97 के दौरान 181सदस्यों को प्रैक्टिस प्रमाणपत्र जारी किये गये। 31 मार्च 1997 को प्रैक्टिस प्रमाणपत्रधारियों की सदस्य संख्या 887 थी।

5.3 सदस्यों की सूची

कंपनी सचिव विनियमावली 1982 के विनियम 161 के साथ पठित कंपनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 19(3) के अनुसरण में 1 अप्रैल 1996 की स्थिति के अनुसार सदस्यों की पूरक सूची प्रकाशित की गई है, जिसमें पहले की तरह कुछ सूचना जैसे सदस्यों के निवास के पते, टेलीफोन नंबर, फैक्स नंबर, व्यावसायिक स्थल के पते दिये गये हैं। सदस्यों को यह सूची उनके अनुरोध पर सप्लाई की जाती है।

सदस्यों के बीच बेहतर संप्रेषण तथा परस्पर विचार विमर्श के लिये अतिरिक्त सूचना सूची में शामिल की गई है।

5.4 1996-97 के वर्ष में सदस्यों के विरुद्ध व्यावसायिक या अन्य कदाचार की तीन शिकायतों का निपटान किया गया। 31 मार्च 1997 को अंतिम निपटान करने के लिये तीन शिकायतें लंबित पड़ी हैं।

6. व्यावसायिक विकास और अनवरत शिक्षा कार्यक्रम

6.1 "पूंजी बाजार और वित्तीय सेवाओं" में पश्च सदस्यता अर्हता पाठ्यक्रम

पूंजी बाजार और वित्त सेवाओं में पश्च सदस्यता अर्हता पाठ्यक्रम नवंबर 1995 में, जयपुर में आयोजित इंस्टीट्यूट के 23वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अवसर पर शुरू किया गया था। 31 मार्च 1997 के दिन तक इंस्टीट्यूट के 282 सदस्यों ने इस पाठ्यक्रम के लिए अपने नाम दर्ज कराए। इस पाठ्यक्रम (पी एम क्यू) की प्रथम परीक्षा दिसंबर 1996 में चार केन्द्रों —कलकत्ता, चेन्नई, दिल्ली और मुंबई में हुई। परीक्षा में बैठे 72 सदस्यों में से इस पाठ्यक्रम के भाग 1 में 16 सदस्यों को सफल घोषित किया गया।

6.2 इंस्टीट्यूट ने व्यावसायिक विकास की गतिविधियों में 1996-97 में 4 व्यावसायिक कार्यक्रम किये जिनमें 24वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी शामिल है। इनका विवरण इस रिपार्ट के परिशिष्ट 'ख' में दिया गया है।

7. प्रकाशन

7.1 "चार्टर्ड सेक्रेटरी"

1971 में इस जर्नल का प्रकाशन एक सामान्य स्तर पर तिमाही जर्नल के रूप में शुरू हुआ था, जिसके प्रकाशन की अवधि 1972 में बढ़ा कर मासिक जर्नल के रूप में कर दी गई। अब इस जर्नल का प्रकाशन 27 वें वर्ष में प्रवेश कर गया है। व्यावसायिक जर्नल के रूप में इसे बहुत ऊंचे स्थान पर माना जाता है तथा विभिन्न क्षेत्रों से चाहे वह उद्योग हो, या वाणिज्यिक अथवा व्यापार हो तथा अन्य व्यावसयिकों ने भी इसे

सामयिक विषयों पर ज्ञानवर्धन लेखों का उच्च श्रेणी का प्रकाशन कह कर सराहा है, तथा दूसरी कंपनी से जुड़े व्यावसायिक लोगों के बीच संप्रेषण का प्रभावकारी माध्यम है। समीक्षाधीन वर्ष में जर्नल के निम्नलिखित विषयों पर तीन विशेषांक प्रकाशित किये; निगम व्यावसायिकों ने इन अंकों का बहुत स्वागत किया है तथा सराहा है:

(क) केन्द्रीय बजट पर सितंबर 1996 का अंक

(ख) वित्तीय सेवाएं/ पूंजी बाजार पर अक्तूबर 1996 का अंक

(ग) वैकल्पिक विवाद समाधान पर दिसंबर 1996

7.2 अध्ययन सामग्री:

अध्ययन सामग्री के प्रकाशन का काम 1996-97 में भी जारी रहा । 31 मार्च 1997 तक निम्नलिखित सामग्री पुस्तक रूप में प्रकाशित की गई:

(क) फाउण्डेशन पाठ्यक्रम के सभी चार विषयों की अध्ययन सामग्री।

(ख) इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम के सभी आठ विषयों की अध्ययन सामग्री।

(ग) फाइनल पाठ्यक्रम के आठ विषयों में से चार विषयों की अध्ययन सामग्री।

फाइनल परीक्षा के शेष चार विषयों की अध्ययन सामग्री को पुस्तक रूप में प्रकाशित करने का काम 1997-98 में कर लिया गया । अध्ययन सामग्री के स्वरूप और विषय सूची में सुधार करने के बारे में इंस्टीट्यूट का प्रयास जारी है ।

8.विशेषज्ञ परामर्शी ग्रुप

8.1 विशेषज्ञों का कोर ग्रुप :

इस वर्ष वित्त विधि, पूंजी बाजार, कराधान और लेखांकन तथा वित्त में विशिष्टता प्राप्त विशेषज्ञों के कोर ग्रुप का पुनर्गठन किया गया; यह ग्रुप सरकार, सेबी, और सरकार तथा अन्य निकायों द्वारा समूहों को दिए जाने वाले अभ्यावेदनों को अंतिम रूप देने के लिए सदस्यों/विशेषज्ञों से टिप्पणियां प्राप्त करेगा।

9. व्यवसाय को प्राप्त मान्यतायें

9.1 इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष को कंपनी अधिनियम, एम आर टी पी अधिनियम और आई सी एस आई, आई सी ए आई तथा आई सी डब्लू ए आई से संबंधित अधिनियमों की समीक्षा के लिये कंपनी कार्य विभाग द्वारा गठित सभी तीनों समितियों का सदस्य बने रहने का सौभाग्य प्राप्त रहा। वे सेबी द्वारा प्राइमरी मार्केट संबंधी गठित परामर्शी समिति के भी सदस्य बने रहे।

9.2 वित्त मंत्रालय, कंपनी कार्य विभाग ने कंपनी अधिनियम 1996 के बारे में एक कार्यकारी समूह का गठन किया है। इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष डा० के०आर० चन्द्रात्रे इस समूह के आठ सदस्यों में से एक सदस्य थे।

10. विद्यार्थी सेवाएं :

10.1 पंजीकरण :

1996-97 में भी इंस्टीट्यूट के पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के पंजीकरण में वृद्धि का रूझान में जारी रहा। इस संबंध में इंस्टीट्यूट्ट , इसके कार्यालयों और शाखाओं द्वारा किए गए लगातार प्रयासों से बहुत लाभ हुआ है। इससे अपना कैरियर चुनने वाले नवयुवकों के मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डाला है। पंजीकरण में लगातार वृद्धि इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि विद्यार्थी समुदाय ने इस पाठ्यक्रम को व्यापक रूप से स्वीकार किया है।

10.2 नि पाठ्यक्रम

पिछले पांच वर्षों में पंजीकृत विद्यार्थी और उनमें वृद्धि

	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96	1996-97
पंजीकृत विद्यार्थी	13615	16601	25032	37067	40311

1996-97 के दौरान 40311 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया जबकि 1995-96 में 37067 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था जिससे 8. 8 % वृद्धि का पता चलता है। 31 मार्च 1997 को विद्यार्थियों की चालू पंजीकरण संख्या 126909 है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान कुल पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि

	31 मार्च 93	31 मार्च 94	31 मार्च 95	31मार्च 1996	31 मार्च, 1997
कुल विद्यार्थी (वर्तमान)	60081	65385	77,627	101099	126909

10.3 फाउंडेशन पाठ्यक्रम

पिछले तीन वर्षों में फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत विद्यार्थी

	1994-95	1995-96	1996-97
पंजीकृत विद्यार्थी	16415	22451	24464

किशोर आयु में ही कैरियर का विकल्प चुनने और उन्हें सचमुच व्यवसायी रूप में तैयार करने के उद्देश्य से अगस्त 1993 में फाउण्डेशन पाठ्यक्रम आरंभ किया गया था।

1996-97 फाउण्डेशन पाठ्यक्रम में 24464 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया जबकि 1995-96 में 22451 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया था; यह 9% की वृद्धि है। 31 मार्च 1997 के दिन वर्तमान विद्यार्थियों की कुल संखया 63501 है।

10.4 शिक्षण

1996-97 में फाउण्डेशन पाठ्यक्रम तथा अन्य नियमित पाठ्यक्रमों में जिन विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया, उन सभी के नाम अनिवार्यतः डाक शिक्षण के लिए भी दर्ज किए गए । 1996-97 में शिक्षण समाप्ति पर 35,000 प्रमाणपत्र जारी किए गए और लगभग 7,00,000 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया तथा विद्यार्थियों को वापस की गईं। गतिविधियों का विकेन्द्रीकरण करने की दिशा में पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद को छोड़ कर इंटरमीडिएट पाठ्क्रम की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य सभी क्षेत्रीय परिषदों में किया जा रहा है। इसके अलावा दक्षिणी भारतीय क्षेत्रीय परिषद में फाइनल पाठ्यक्रम की उत्तर पुस्तिकाओं के स्थानीय मूल्यांकन की भी सुविधा है। डाक में देरी और इससे विद्यार्थियों को होने वाली असुविधाओं से बचने के लिए उत्तर-पुस्तिकाओं के स्थान पर रविवार को परीक्षाओं के कार्यक्रम को क्रियान्वित किया जा रहा है।

10.5 विद्यार्थियों को प्रदत्त सेवायें/सुविधायें

इंस्टीट्यूट का यह प्रयास रहा है कि इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं की तैयारी और विद्यार्थियों को अद्यतन जानकारी देने के लिये नियमित रूप से संप्रेषण रखने के वास्ते विद्यार्थियों को यथासंभव अच्छी से अच्छी सुविधायें दी जायं। इस बारे में निम्नलिखित गतिविधियां उल्लेखनीय है।

(क) स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी

इंस्टीट्यूट नियमपूर्वक अपना मासिक बुलेटिन 'स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी' प्रकाशित करता है जिसका मुख्य उद्देश्य कंपनी सचिवीय पाठयक्रम के प्रशासन के संबंध में हुये विधायी संशोधनों, अध्ययन और सूचना के बारे में नियमित रूप से अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को अद्यतन जानकारी देना है। यह बुलेटिन नियमित

पाठयक्रम के वर्तमान विद्यार्थियों को निःशुल्क भेजा जाता है। बुलेटिन की विषय सूची को और बेहतर बनाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा लिखित "प्वाइंट आफ व्यू कालम", उनके लेखों का प्रकाशन आदि करना शुरू किया गया है।

(ख) कंपनी सचिव फाउंडेशन पाठयक्रम बुलेटिन

यह द्विमासिक बुलेटिन है जो फांउडेशन पाठयक्रम के सभी वर्तमान विद्यार्थियों को फांउडेशन पाठयक्रम से संबंधित इंस्टीट्यूट की गतिविधियों और उनके अध्ययन क्षेत्र में चल रही नवीनतम घटनाओं की सूचना देने के लिये निःशुल्क भेजा जाता है।

(ग) कंपनी सचिव गाइड - अध्ययन और परीक्षा

ये पुस्तिका सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को निः शुल्क भेजी जाती है ताकि उन्हें इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं की तैयारी के बारे में मार्गनिर्देशन दिया जा सके।

(घ) आई सी एस आई- आई सी डब्लू ए आई के बीच आपसी सहयोग के आधार पर व्यवस्था।

आई सी डब्लू ए आई द्वारा संशोधित पाठ्यचर्या आरम्भ करने के फलस्वरूप आई सी एस आई और आई सी डब्लू ए आई के बीच एक नया समझौता हुआ है जिसके अनुसार दोनों संस्थानों ने 24 जून 1995 से एक दूसरे के कुछ प्रश्न-पत्रों में छूट देना शुरू किया है ।इस बारे में विवरण नियमित रूप से 'स्टूडेंट्स बुलेटिन ' में प्रकाशित होते हैं।

10.6 मौखिक शिक्षण

क्षेत्रीय परिषदों/ शाखाओं और आई सी एस आई के सहयोगी मौखिक शिक्षण केन्द्रों द्वारा विद्यार्थियों के लिये मौखिक शिक्षण कक्षाओं की सुविधा पूरे भारत में 54 केन्द्रों पर दी जा रही है। फाउंडेशन पाठयक्रम के लिये भी मौखिक शिक्षण कक्षायें आयोजित की जा रही हैं।

10.7 पुस्तकालय सुविधायें

1996-97 के दौरान सभी 4 क्षेत्रीय कार्यालयों, 36 शाखाओं और आई सी एस आई के सहयोगी मौखिक शिक्षण केन्द्रों ने, जो राउरकेला, गंजम(उड़ीसा), अंबाला, कालीकट और नासिक, गुड़गांव और विजयवाडा में उपग्रह पुस्तकालय योजना के अन्तर्गत काम कर रहे हैं, इंस्टीट्यूट के पुस्तकालयों को अद्यतन करने के लिए दस लाख रुपए के विशेष अनुदान में से नवीनतम संस्करणों की पुस्तकें जोड़ी हैं। लगातार यह प्रयास है कि इन पुस्तकालयों को अद्यतन किया जाय और अन्य स्थानों पर भी पुस्तकालय खोले जायं।

10.8 परीक्षा प्रश्न-पत्रों के मार्ग निर्देशी उत्तर

1996-97 में फांउडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल पाठयक्रमों की परीक्षाओं के सभी विषयों के जून 1996 तथा दिसंबर 1996 की परीक्षाओं के मार्गदर्शी उत्तर प्रकाशित किये गये और परीक्षा परिणाम की घोषणा के समय विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये गये।

10.9 अध्ययन सामग्री का संशोधन / अद्यतनीकरण और संभावित उत्तर

फांउडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल पाठयक्रमों की अध्ययन सामग्री का नियमित रूप से संशोधन /अद्यतन किया जा रहा है, जिनमें नए प्रश्न पत्रों की श्रृखंला जोड़ी जाती है और विद्यार्थियों द्वारा अपनी कोचिंग समाप्त करने पर उनके संदर्भ के लिए इन प्रश्न- पत्रों के सांकेतिक उत्तर उन्हें उपलब्ध कराए जाते हैं। जिन विषयों को अद्यतन बना लिया जाता है, विद्यार्थियों को इसकी सूचना 'स्टूडेण्ट कंपनी सेक्रेटरी' और 'सी एस फाउण्डेशन कोर्स बुलेटिन' के जरिए भी दी जाती है।

11. परीक्षाएं

11.1 परीक्षाओं का आयोजन

1996-97 के दौरान जून और दिसंबर 1996 में देश भर में क्रमशः 38 और 46 केन्द्रों पर कंपनी सचिवों की फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षायें आयोजित की गईं। एक केन्द्र विदेश (दुबई) में भी था। 1996-97 के दौरान विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुये विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है।

	जून 1996	दिसंबर 1996	कुल योग
फाउंडेशन	1652	1859	3511
इंटरमीडिएट	911	1099	2010
फाइनल	441	467	908

परीक्षा परिणाम से संबंधित आंकड़े इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "ग" में दिये गये हैं।

11.2 अखिल भारतीय पुरस्कार

जून और दिसंबर 1996 की परीक्षाओं के लिए अखिल भारतीय प्रेजीडेंट पुरस्कार निम्नलिखित विद्यार्थियों को दिये गये :-

पाठ्यक्रम	जनू 1996	दिसंबर 1996
इंटरमीडिएट	भगवान लाल, दिल्ली	योगेन्द्र बांगड, जयपुर
फाइनल	मालविका गोयल, दिल्ली	एस० महादेवन, चेन्नई

बम्बई के सुनील गजानन नानल ने पं० नेहरू जन्म शताब्दी वार्षिक पुरस्कार जीता। पुरस्कार विजेताओं के नाम तथा अखिल भारतीय पुरस्कार योजनाओं तथा क्षेत्रीय पुरस्कार योजनाओं के ब्यौरे 'स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी' बुलेटिन में प्रकाशित किये गए।

11.3 योग्यता प्रमाणपत्र/योग्यता छात्रवृत्तियां/वित्तीय सहायता :

जून और दिसंबर 1996 सत्रों की फाउण्डेशन और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के प्रथम सर्वोच्च 25 रैंक पाने वाले तथा फाइनल परीक्षा में सर्वोच्च 10 रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को योग्यता प्रमाण दिए गए।

योग्यता छात्रवृत्ति योजना के अधीन जून और दिसंबर 1996 सत्रों में इंस्टीट्यूट की फाउण्डेशन और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सर्वोच्च 15 रैंक के परीक्षार्थियों को छात्रवृत्तियां दी गईं। इसी प्रकार योग्यता -व-साधन सहायता योजना के अधीन सुपात्र विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता दी गई।

12 प्रशिक्षण

12.1 पैनल बनाना

प्रशिक्षण देने के लिए पैनल पर दर्ज कंपनियों की संख्या में वृद्धि

	31मार्च 93	31 मार्च 94	31 मार्च 95	31 मार्च 96	31 मार्च 97
प्रबंध	728	851	1038	1293	1480
प्रेक्टिकल	1146	1248	1418	1655	1802
प्रशिक्षु	140	170	191	232	282

इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए और अधिकाधिक कंपनियों को पैनल पर लाने के लिए प्रशिक्षण निदेशालय ने ऐसी कपंनियों को अपने पास दर्ज करने की एक महत्वाकांक्षी योजना बनाई हैं, जिनका नाम देश के विभिन्न स्टॉक एक्सचेंजों की सूची में है। 1996-97 के दौरान प्रबंध प्रशिक्षण देने के लिए 190 कपंनियां पैनल पर थीं और व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए 152 कंपनियां पैनल पर थी। इस अवधि में प्रशिक्षु प्रशिक्षण देने के लिए 52 कंपनी सचिवों को मान्यता प्रदान की गई। 31 मार्च 1997 के दिन प्रबंध प्रशिक्षण, व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए क्रमशः 1480 और 1802 कंपनियां हमारे पैनल पर थीं और प्रशिक्षु प्रशिक्षण देने के लिए 282 कंपनी सचिव थे।

12.2 प्रशिक्षण प्रदान करना

	पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या				
	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96	1996-97
प्रबंध	192	193	316	428	468
प्रेक्टिकल	518	611	458	951	688
प्रशिक्षु	96	83	60	72	109

1996-97 के दौरान 468 विद्यार्थियों को प्रबंध प्रशिक्षण प्रदान किया गया,688 विद्यार्थियों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया और प्रशिक्षु प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 109 थी। एक ब्रोशर प्रकाशित किया गया है जिसमें कंपनी सचिवों को इस प्रकार का प्रशिक्षण देने की आवश्यकता बताई गई है तथा और कंपनियों के नाम दर्ज करने के लिए इसका व्यापक रूप से इस्तेमाल हो रहा है। प्रेक्टिसरत कंपनी सचिवों द्वारा इंटर/फाइनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है।

12.3 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम

1996-97 के दौरान उपर्युक्त 24 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 799 विद्यार्थियों ने भाग लिया। औद्योगिक नीति और अन्य समसामयिक निर्णयों को ध्यान में रखते हुए उभरते रुझान के साथ कदम मिलाते हुए जिनका कंपनी सचिव की भूमिका और जिम्मेदारी से सीधा संबंध है, सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एस एम टी पी) का पुनर्विन्यास किया गया है, जिसमें 'यूरो-इशूज', नये वित्तीय लिखत पत्रों (इंस्ट्रूमेंट्स), ओ टी सी ई आई , नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों आदि की भूमिका पर अधिक बल दिया है। एस एम टी पी में भाग लेने वालों को भेजे गए चार माड्यूलों को संशोधित किया गया और सी एल बी के सामने / एस आई सी ए के अधीन, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम तथा आर टी पी /यू टी पी आदि के केस अध्ययनों के संबंध में "व्यावहारिक और प्रक्रियात्मक पहलुओं" के विषयों पर भी एक नया माड्यूल जोड़ा गया। एम एम टी पी में भाग लेने वालों तथा संकाय सदस्यों की जानकारी के लिए एस एम टी पी की क्रियाविधि और प्रयोजन के बारे में एक पैम्फलेट प्रकाशित किया गया है।

13 जन संबंध और जन संपर्क

13.1 जनसंबंध

1996-97 में कंपनी सचिव के व्यवसाय को कैरियर रूप में स्पष्ट रूप से अपनाने और इसके प्रति जागरूकता चरम सीमा पर पहुंच गई। प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सेटेलाइट चैनलों, कैरियर मेलों में भागीदारी, विशिष्ट कैरियर वृत्त चित्रों आदि के माध्यम से किए गए एकीकृत और समन्वित प्रयासों के कारण समीक्षाधीन वर्ष में विद्यार्थियों का सबसे अधिक पंजीकरण होने के फलस्वरूप एक अभूतपूर्व सफलता मिली है। निगम क्षेत्र में एकीकृत निगम प्रबंधकों के रूप में मान्यता प्राप्त करने के उद्देश्य से वर्ष भर अंग्रेजी और हिन्दी दोनों के प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में इसी विषय पर विस्तृत लेख प्रकाशित किए जाते रहे। कैरियर मेलों और आकाशवाणी पर प्रत्यक्ष फोन-इन प्रोग्रामों का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कंपनी सचिव विद्यार्थियों के लाभ के लिए 'ज़ेड एजुकेशन' चैनल के माध्यम से कैरियर संबंधी परामर्श देने के लिये ज़ी एजुकेशनल चैनल के साथ संपर्क बनाए रखा गया।

'यूथ पल्स' कार्यक्रम में 16 जुलाई, 1996 को रात्रि 9.50 बजे दूरदर्शन (डी डी -2) के मेट्रो चैनल पर 'कंपनी सेक्रेटरीशिप' पर 10 मिनट का टी वी फीचर प्रसारित किया गया। अहमदाबाद दूरदर्शन/आकाशवाणी ने 6 अप्रैल 1996 को कंपनी सेक्रेटरीशिप पर गुजराती और हिन्दी में 20 मिनट की चर्चा का प्रसारण किया। अध्यक्ष महोदय ने मुंबई,कलकत्ता, हैदराबाद, कोचीन, मद्रास, बंगलौर आदि नगरों में प्रेस सम्मेलनों को संबोधित किया। 3.9.1996 को मुंबई दूरदर्शन केन्द्र से इस व्यवसाय के बारे में अध्यक्ष महोदय से 25 मिनट का एक इंटरव्यू प्रसारित किया गया। इसी प्रकार का एक कार्यक्रम मुंबई

में आकाशवाणी से प्रसारित किया गया। कंपनी के 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में मीडिया ने व्यापक रूप से समाचार प्रकाशित किए। बजट के बारे में सचिव महोदय की प्रतिक्रिया दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क (डी डी -1) तथा सी एन एन एवं डी डी इंटरनेशनल चैनलों पर भी प्रसारित की गई। मार्च 1997 में कंपनी सचिव व्यवसाय और कंपनी अधिनियम के बारे में अध्यक्ष और सचिव के साथ अनेक भेंटवार्ताएं बिजनेस इंडिया टेलीविजन, एशिया बिजनेस न्यूज इंडिया, ज़ी टी वी, बी बी सी और होम टी वी पर प्रसारित की गईं।

13.2 कैरियर परामर्श :

विश्व भर के कोने कोने में कंपनी सचिव व्यवसाय को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयास जारी रखने के अलावा आने वाले वर्षों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के विचार से और इस प्रकार "रोजगार सैल" को सुदृढ़ करके सदस्यों के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

14. लेखे

14.1 अधिशेष

खर्च पर रोक लगाने के विभिन्न उपायों के फलस्वरुप 1996-97 के लेखों के अंत में 367.19 लाख रुपये का अधिशेष है।

14.2 रिजर्व

(क) सामान्य रिजर्व

पिछले वर्ष 31 मार्च 1996 का जो सामान्य रिजर्व 984.91 लाख रुपये था वह अब बढ़ कर 31 मार्च 1997 को 1381.49 लाख रुपये हो गया है।

सामान्य रिजर्व में वृद्धि

(लाख रुपयों में)

31 मार्च 93	31 मार्च 94	31मार्च 95	31 मार्च96	31 मार्च 97
289.18	431.37	647.22	984.91	1381.49

(ख) 1996-97 में पुणे शाखा से उस शाखा के लिए एक फ्लैट खरीदने के लिए अंशदान के रूप में प्राप्त 29.40 लाख रुपए की राशि का सीधा पूंजीकरण कर दिया गया है।

(ग) पूंजी रिजर्व

सदस्यों से प्राप्त प्रवेश शुल्क के पूंजी रिजर्व का पूंजीकरण किया गया है। यह राशि 31 मार्च 1997 को 39.44 लाख रुपये थी, जबकि 31 मार्च 1996 को यह राशि 36.54लाख रुपये थी।

14.3 सांविधिक लेखा परीक्षक

कंपनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 18(4) के अनुसरण में मैसर्स खन्ना एंड अन्नाधनम, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स नई दिल्ली को 31 मार्च 1997 को समाप्त वर्ष के लिये इंस्टीट्यूट का सांविधिक लेखा परीक्षक पुनः नियुक्त किया गया। लेखा परीक्षक की रिपोर्ट लेखा विवरण के साथ प्रकाशित की गई है।

15. भूमि और भवन

15.1 आई सी एस आई -एन आई आर सी भवन

उत्तरी भारत क्षेत्र परिषद, अध्ययन निदेशालय और फाउण्डेशन सैल आई सी एस आई- एन आई आर सी भवन में कार्य कर रहे हैं; यह भवन 4 प्रसाद नगर इंस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली में हैं। एन आई आर सी पुस्तकालय 1, रानी झांसी रोड और 4, प्रसाद नगर इंस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली दोनों स्थानों पर अपना कार्य कर रहा है।

15.2 फरीदाबाद शाखा की भूमि

इस शाखा ने फरीदाबाद के सेक्टर 16 ए में हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण (हूडा) से 3.65 लाख रुपये में 500 वर्ग गज का एक भूखंड खरीदा है। यद्यपि हूडा ने फरीदाबाद शाखा को आवंटन पत्र और कब्जे का पत्र जारी कर दिया था, परन्तु इस संपत्ति के बारे में कुछ पुराने विवाद के कारण हूडा ने इस भूखंड का कब्जा अभी शाखा को नहीं सौंपा है। हूडा ने एक दूसरा प्लाट अलाट करने और उसका कब्जा देने की सिफारिश की है। यह प्रस्ताव स्वीकृति के लिए चंडीगढ़ में हूडा के चेयरमैन के पास पड़ा है।

15.3 नौयडा शाखा के लिए भूमि:

इंस्टीट्यूट ने 1375 वर्ग मीटर भूमि का एक प्लाट नौयडा के सैक्टर 62, फेज-2 इंस्टीट्यूशनल एरिया में 34.38 लाख रुपए में खरीदा है। इंस्टीट्यूट ने इसका कब्जा ले लिया है। आशा है कि 1997 के अंत तक भवन निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा।

16. शाखाओं को पूंजीगत अनुदान और ऋण

16.1 इंस्टीट्यूट ने अपनी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को 31 मार्च 1997 तक अपना कार्यालय भवन लेने के लिये जो कुछ अनुदान और ऋण दिया है उसका ब्यौरा इस प्रकार है :-

(क) अनुदान	302.87 लाख रुपये
(ख) ऋण	213.30 लाख रुपये

इंस्टीट्यूट का प्रयास है कि क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं द्वारा अपने काम काज के लिये भवन लेने के प्रयासों में उनकी सहायता करे और इस संबंध में राशि दे। कुछ क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं में अपने कार्यालय स्थल /भवन परियोजनाओं के लिये संसाधन जुटाने के लिये जबरर्दस्त प्रयास किये हैं। परिषद इन क्षेत्रीय परिषदों / शाखाओं द्वारा किये गये इन प्रयासों की प्रशंसा करती है।

17. कंपनी सचिव हितकारी विधि (सी एस बी एफ)

17.1 सी एस बी एफ सदस्यों में वृद्धि

कंपनी सचिव हितकारी निधि के सदस्यों में वृद्धि

सदस्यों की संख्या

31 मार्च 93	31 मार्च 94	31 मार्च 95	31 मार्च 96	31मार्च 97
1309	1472	1750	2088	2249

31 मार्च 1997 को कंपनी सचिव हितकारी निधि (सी एस बी एफ) के आजीवन सदस्यों की संख्या 2249 है । पिछले वर्षों में सदस्यों की संख्या धीरे धीरे बढ़ती गई है । 31 मार्च 1997 को हितकारी निधि का पूंजीगत रिजर्व और सामान्य रिजर्व क्रमशः 17.13 लाख रुपये और 8.51 लाख रुपये था ।

17 .2 इस निधि में और अधिक सदस्यों के नाम दर्ज करने के प्रयास जारी हैं। वित्तीय संकट और मृत्यु, लंबी बीमारी, दुर्घटनाओं आदि के कारण उनके परिवारों की स्थिति में इस निधि से बेहतर आर्थिक लाभ पहुंचाया जा सकेगा। यह स्व-बीमा उपाय है। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 जी के अंतर्गत 1000 रुपए का आजीवन सदस्यता शुल्क कर मुक्त है।

18. मानव संसाधन विकास

इंस्टीट्यूट मानता है कि उत्पादकता में लगातार वृद्धि के लिए व्यावसायिक कुशलता को सर्वश्रेष्ठ बनाना अनिवार्य है। इसलिए प्रबंधन में छोटे से छोटे स्तर पर भी मानव संसाधन के निरंतर विकास का बहुत महत्व है। इसी के अनुरूप प्रयास किए गए कि अधिकारियों और कर्मचारियों के ज्ञान और उनकी प्रबंधकीय तथा तकनीकी कुशलताओं में वृद्धि करने के बारे में बल दिया जाए ताकि उभरती हुई स्थितियों को समझ सकें तथा इंस्टीट्यूट की समग्र वृद्धि और विकास के लिए वास्तविक स्थितियों में उनको लागू करन के महत्व को भी समझ सकें। इस बात को ध्यान में रखते हुए कुछ वाह्य एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण तथा विकास कार्यक्रमों के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को नामजद किया गया।

इसके अलावा, पूरे वर्ष नियोजक-कर्मचारी संबंध बहुत सौहार्दपूर्ण रहे। कर्मचारियों तथा प्रबंधन के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने के लिये कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधियों और प्रबंधन के बीच नियमित बैठकें होती रहीं, जिनमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई और उन्हें सद्भावनापूर्वक सुलझाया गया।

19. भावी दृष्टिकोण

कंपनी सचिव का व्यवसाय सदैव विश्व आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ते परिवर्तित वातावरण के अनुरूप कदम से कदम मिला कर चला है। तदनुसार इंस्टीट्यूट के शैक्षणिक कार्यक्रमों की दिशा प्रत्येक सदस्य की सक्षमताओं को सुदृढ़ करने में लगी रही है ताकि इस तरफ नए युग की हो रही शुरुआत में विकास की अधिक से अधिक संभावनाओं को पूरी तरह से प्राप्त किया जा सके। इस प्रसंग में इंस्टीट्यूट ने कंपनी सेक्रेटरीशिप पाठ्यचर्या की पूरी तरह से समीक्षा करने के लिए एक पाठ्यचर्या समीक्षा समिति का गठन किया है। परिषद ने इंस्टीट्यूट के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री सी आर शाह की अध्यक्षता में परिप्रेक्ष्य योजना समूह का गठन भी किया है, जो परिषद द्वारा 1991 में निर्धारित परिप्रेक्ष्य योजना में आवश्यक परिवर्तनों का सुझाव देगा। इस समूह ने SWOT विश्लेषण किया है। इस बदलते माहौल में हमारे सदस्यों की भावी भूमिका और उत्तरदायित्वों के बारे में इंस्टीट्यूट के सदस्यों के विचार और अनुभूतियों को जानने के लिए 'चार्टर्ड सेक्रेटरी" पत्रिका में एक प्रश्नावाली प्रकाशित की गई है। इस दिशा में एक और कदम उठाया गया है जिसके अनुसार उत्तम प्रकार के अनुसंधान और प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए नई मुंबई में निगम अनुसंधान और प्रशिक्षण केन्द्र(सी सी आर टी) स्थापित किया गया है।

परस्पर निर्भरता और सहयोग को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने के लिए एक साधन माना जा रहा है और इस बढ़ते हुए रुझान को देखते हुए इंस्टीट्यूट का यह प्रयास जारी रखने का इरादा है कि उद्योग, पूंजी बाजार और वित्तीय सेवाओं के मुखियाओं के साथ और निकट के संपर्क विकसित किए जाएं।

विदेशों में सहयोगी व्यावसायिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड सेक्रेटरीज और एडमिनिस्ट्रेटर्स की अंतर्राष्ट्रीय संस्था के साथ बातचीत शुरू की गई थी; इस बातचीत का उद्देश्य आपसी हितों के विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाना था, जिनमें भारत के लिए ऐसी जानकारी का विनियम करना भी शामिल है, जो भारत में कंपनी सचिवों के व्यवसाय के लिए लाभप्रद हो। यह बातचीत जारी है। सिद्धांत रूप में इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज एंड एडमिनिस्ट्रेटर्स दोनों ही सहमत हो गए हैं कि वे पारस्परिक आधार पर अपनी

परीक्षाओं में एक दूसरे को प्रश्न पत्र क्रम में छूट देंगे। आशा है कि 1997-98 में औपचारिक समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

20. निगम प्रबंध

एल पी जी-उदारीकरण, निजीकरण और भूमण्डलीकरण के प्रसंग में हमारे देश में निगम प्रबंध में गुणात्मक सुधार की आवश्यकता को इस वर्ष का विषय चुना गया था । अध्यक्ष महोदय ने अपने सभी प्रेस सम्मेलनों में इन सभी बातों को प्रमुख रूप से सामने रखा और इंस्टीट्यूट द्वारा अच्छी निगम क्रियाविधियों के बारे में स्वैच्छिक संहिता तैयार करने पर जोर दिया ।

21. आचार संहिता

परिषद ने अपने सदस्यों द्वारा नियोजन और प्रेक्टिस में कंपनी सचिव अधिनियम 1980 में दी गई आचार संहिता को सख्ती से पालन करने की जरूरत पर जोर दिया है । कंपनी अधिनियम, सेबी अधिनियम और अन्य निगम विधानों के अंतर्गत प्रेक्टिस के क्षेत्रों को बढ़ाने के मामले में इंस्टीट्यूट द्वारा किये जा रहे प्रयासों के प्रसंग में यह परम आवश्यक है । इससे देश के प्रमुख संगठनों में एक व्यावसायिक संस्था के रूप में इंस्टीट्यूट का दर्जा और प्रतिष्ठा मजबूत होगी ।

22. आभार

परिषद केन्द्रीय सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों और विशेष रूप से कंपनी कार्य विभाग और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड 'सेबी' के प्रति उनके द्वारा इस वर्ष व्यवसाय और इंस्टीट्यूट की गतिविधियों के विकास में सहायता व मार्गदर्शन तथा समर्थन प्रदान करने के लिये आभार प्रगट करती है। परिषद विभिन्न राज्य सरकारों वित्तीय/औद्योगिक/निवेश संस्थानों/सामान्य रूप से निगम क्षेत्र और देश के विभिन्न चैम्बर्स ऑफ कामर्स और ट्रेड एसोसिएशनों तथा अन्य एजेंसियों का भी आभार प्रगट करती है, जिन्होंने इंस्टीट्यूट के सदस्यों की सेवायें लेने में और निगम विधि, वित्त, प्रबंध तथा संबद्ध क्षेत्रों में इनकी विशेषज्ञता को मान्यता प्रदान करने में लगातार रुचि बढ़ाई है। परिषद, क्षेत्रीय परिषद और इनकी शाखाओं द्वारा प्रदान की गई सहायता और सहयोग तथा इंस्टीट्यूट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की भी अपनी ओर से अत्यधिक सराहना करती है, जिन्होंने इस रिपोर्टाधीन वर्ष में बड़ी निष्ठा और कर्तव्य की भावना से काम किया।

कृते इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया की परिषद,

(डी०के० प्रहलाद राव)
अध्यक्ष

तारीख : 2nd September, 1997

परिशिष्ट 'क'

वर्ष 1997 के लिये परिषद की स्थायी और अस्थायी समितियों की सूची

(I) स्थायी समितियां

1. अनुशासन समिति

डी.के. प्रहलाद राव	चेयरमैन
एन.के. जैन	सदस्य
आर डी जोशी	सदस्य

2. परीक्षा समिति

अमित के. सेन	चेयरमैन
गिरिश आहूजा	सदस्य
एन.के. जैन	सदस्य

3. कार्यकारी समिति

डी. के. प्रहलाद राव	चेयरमैन
अमित के. सेन	सदस्य
के.आर. चन्द्रात्रे (डा०)	सदस्य
वीरेन्द्र गंडा	सदस्य
आर.डी. जोशी	सदस्य

(II) अस्थाई समितियां

4. व्यावसायिक विकास समिति

डी.के.प्रहलाद राव	चेयरमैन
विवेक अग्रवाल	सदस्य
एस.डी. इसरानी	सदस्य
एस.एस. कुमार	सदस्य
आर कृष्णन	सदस्य
एस. रामबद्रन	सदस्य

5. प्रशिक्षण तथा शिक्षण सुविधा समिति

अमित के.सेन	चेयरमैन
विवेक अग्रवाल	सदस्य

वीरेन्द्र गंडा	सदस्य
एस के जैन*	सदस्य
ए के मोदी	सदस्य
एम एस राघवन	सदस्य

6. विनियमन समिति

अमित के. सेन	चेयरमैन
के. आर. चन्द्रात्रे	सदस्य
यू के चौधरी	सदस्य
एस.के. जैन*	सदस्य
एस एस कुमार	सदस्य
एम.एस. राघवन	सदस्य

7. समन्वय समिति (आई सी ए आई तथा आई सी डब्लू ए आई के साथ समन्वय के लिये)

डी.के. प्रहलाद राव	चेयरमैन
अमित के.सेन	सदस्य
गिरीश आहूजा	सदस्य
यू के चौधरी	सदस्य
आर कृष्णन	सदस्य
एस रामबद्रन	सदस्य
	सदस्य

8. संपादकीय सलाहकार बोर्ड

वी.के मजोत्रा	चेयरमैन
वीरेन्द्र गंडा	सदस्य
दिलीप गोस्वामी	सदस्य
आर.एस. निगम (प्रो०)	सदस्य
कल्याण राजपुरिया	सदस्य
एस.एस. सोढी	सदस्य
ए.के. पोद्दार	सदस्य

* अब त्यागपत्र दे दिया है ।

सुनील चोपड़ा	सदस्य
के.जी बंसल	सदस्य
डी पी शर्मा	सदस्य
एस.बी. माथुर	सदस्य
बिशन सहाय	सदस्य

9. विशेषज्ञ सलाहकार ग्रुप

जस्टिस के एन सिंह	चेयरमैन
आर एन बंसल	सदस्य
एस डी इसरानी (डा०)	सदस्य
डी सी जैन	सदस्य
एस एस कुमार	सदस्य
आर वी नागार्जुन	सदस्य
श्यामल सेन	सदस्य
एन जे एन वज़ीफदार	सदस्य

10. सी सी आर टी समिति

ए के मोदी	चेयरमैन
एन एल भाटिया	सदस्य
के.आर. चन्द्रात्रे(डा०)	सदस्य
एस डी इसरानी (डा०)	सदस्य
एस के जैन	सदस्य
के डी कापसी	सदस्य
आर रामचन्द्रन	सदस्य
सी आर शााह	सदस्य
प्रमोद एस शाह	सदस्य
पी.पी. मिस्त्री (डा०)	सदस्य
एन जे एन वज़ीफदार	सदस्य
डब्लू आई आर सी के पदाधिकारी	सदस्य
डी के प्रहलाद राव	पदेन सदस्य

* अब त्यागपत्र दे दिया है ।

अमित के.सेन	पदेन सदस्य
एस पी नारंग (डा०)	पदेन सदस्य

11.पश्च सदस्यता अर्हता समिति

अमित के. सेन	चेयरमैन
गिरीश आहूजा	सदस्य
एन.के. जैन	सदस्य

12. भावी योजना ग्रुप

सी.आर. शाह	चेयरमैन
के.आर. चन्द्रात्रे(डा०)	सदस्य
एस. डी. इसरानी(डा०)	सदस्य
आर. कृष्णन	सदस्य
डी.के. प्रहलाद राव	सदस्य
एम.एस. राघवन	सदस्य
एस.पी. नारंग (डा०)	सदस्य

13. पाठ्यचर्या समीक्षा समिति

आर. कृष्णन	चेयरमैन
गिरीश आहूजा	सदस्य
के.आर. चन्द्रात्रे(डा०)	सदस्य
ए.के. मोदी	सदस्य
आर. एस. निगम(प्रो०)	सदस्य
डी.के. प्रहलाद राव	सदस्य
एम.एस. राघवन	सदस्य
एस.पी. नारंग(डा०)	सदस्य

परिशिष्ट'ख'

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, विचार-गोष्ठियां और सम्मेलन 1996-97

(क) कलकत्ता में 29 जून 1996 को आई सी ए डी आर तथा बंगाल चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के साथ संयुक्त रूप से "वैकल्पिक विवाद समाधान" विषय पर एक राष्ट्रीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया । इसमें 21 प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

(ग) कलकत्ता में 28-29 नंबवर 1996 को "21वीं सदी की परिकल्पना" विषय पर 24वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया । इसमें लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया

24वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया । इसमें लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(घ) हैदराबाद में 20-22 फरवरी 1997 को एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कालेज आफ इंडिया के साथ मिल कर 'विलय और अधिग्रहण' पर कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें 19 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

परिशिष्ट (ग)

परीक्षाओं में बैठे और उत्तीर्ण विद्यार्थियों के आंकड़े

(I) जून 1996 का सत्र

परीक्षा	नामांकित	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %
फाउंडेशन	9276	7384	1652	22.37
इंटरमीडिएट*				
ग्रुप -1	16132	10058	1062	10.55
ग्रुप-2	15621	10054	1467	14.59

फाइनल* *				
ग्रुप-1	2683	1898	515	27.13
ग्रुप-2	2747	1849	575	31.09

*दोनों ग्रुपों में 3354 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 208 ने परीक्षा पास की (6.20%)

* *सभी ग्रुपों में 769 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से सभी ग्रुपों में कुल 96 ने परीक्षा पास की (12.40%)

(II) दिसंबर 1996 सत्र

परीक्षा	नामांकित	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %
फाउंडेशन	10547	8623	1859	21.55
इंटरमीडिएट*				
ग्रुप-1	19682	11875	1266	10.66
ग्रुप-2	18869	11751	1720	14.63
फाइनल* *				
ग्रुप-1	3143	2237	552	24.67
ग्रुप-2	3184	2173	568	26.13

*दोनों ग्रुपों में 5109 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 195 ने परीक्षा पास की (3.81%)

**सभी ग्रुपों में 1067 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 105 ने परीक्षा पास की (9.84%)

खन्ना एंड अन्नाधनम

चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स

706, आकाशदीप, 26ए, बाराखम्बा रोड,

पो. आ. बाक्स नं०-648

नई दिल्ली - 110 001

टेलीफोन : 3315110, 3315119, ग्राम: अलर्ट, नई दिल्ली

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

हमने इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के 31 मार्च 1997 के संलग्न तुलन पत्र तथा इसके साथ संलग्न उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखे का परीक्षण भी किया है और हमारी रिपार्ट इस प्रकार है :

क) हमें वह सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए, जो हमें अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिये प्राप्त करने आवश्यक थे।

ख) रिपोर्ट का संदर्भाधीन तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे रखी गई लेखा पुस्तकों और रिकार्डों से मेल खाते हैं।

ग) हमारी राय में और जहां तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार ये विवरण इनके साथ दी गई टिप्पणियों के पढ़ने पर निम्नलिखित के बारे में लेखे सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते हैं : परन्तु इस संबंध में अध्ययन सामग्री /प्रकाशनों के मूल्यांकन के आधार पर परिवर्तन किए जाने के कारण लेखों पर पड़े प्रभाव के बारे में नोट सं.7 को ध्यान में रखना होगा :

1) इंस्टीट्यूट के मामले से संबंधित 31 मार्च, 1997 को समाप्त अवधि के तुलन पत्र के बारे में स्थिति।

2) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखे में अधिशेष से संबंधित स्थिति।

कृते खन्ना एंड अन्नाधनम

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

(के०ए० बालासुब्रहमण्यन)

पार्टनर

स्थान : नई दिल्ली

तारीख : 01 सितम्बर, 1997

दि इस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया, नई दिल्ली

31 मार्च, 1997 को समाप्त वर्ष का तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

विवरण	अनुसूची	31 मार्च 1997			31 मार्च, 1996		
		रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
निधि का स्रोत							
पूंजी रिजर्व	1			3,943,920			3,653,825
सामान्य रिजर्व	2			138,149,483			-
वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना रिजर्व	3			11,299,021			98,490,457
चिकित्सा व्ययनिधि	4			5,000,000			4,214,312
							1,000,000
योग				158,392,424			
							107,358,594
निधि का प्रयोग							
स्थायी परिसम्पत्तियां : सकल ब्लाक	5	61,841,788			44,127,414		
घटाएः मूल्य ह्रास		15,367,571			11,887,392		
			46,474,217			32,240,022	
जोड़े : भूमि क्रय / निर्माणाधीन भवन निर्माण के लिय पेशगी			11,171,662			4,934,144	
				57,645,879			37,174,166
निवेश	6			79,186,837			39,317,424
चालू परिसंपत्तियां, ऋण और पेशगी							
चालू परिसंपत्तियां	7						
निवेश पर बना ब्याज		7,728,484			2,291,980		
हस्तगत स्टाक		6,656,615			10,482,079		
विविध देनदार		878,955			617,372		
नकदी और बैंक शेष		31,456,829			24,506,474		
			46,720,883			37,897,905	

ऋण ौर पेशगियां	8		24,865,383			15,732,821	
			71,586,266			53,630,726	
घटायें : चालू देयतायें और प्रावधान	9						
देयताएं		50,026,558			22,763,722		
प्रावधान		--			--		
			50,026,558			22,763,722	
				21,559,708			30,867,004
योग				158,392,424			107,358,594
लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरण पर टिप्पणियां	15						

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
(के.ए. बालासुब्रह्मण्यन)
पार्टनर
स्थान : नई दिल्ली
तारीख : 01 सितम्बर, 1997

कृते और परिषद की ओर से

(डा० एस. पी. नारंग)
सचिव

(डा० ए. के सेन)
उपाध्यक्ष

(डी.के. प्रहलाद राव)
अध्यक्ष

दि इस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया, नई दिल्ली

31 मार्च 1997 को समाप्त वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

विवरण	अनुसूची	1996-97	1995-96
आय			
विद्यार्थियों तथा सदस्यों से शुल्क	10	119,916,247	84,185,268
जर्नल/बुलेटिन का अभिदान और विज्ञापन		2,204,469	2,179,486
प्रकाशनों की बिक्री		8,078,219	6,456,134
निवेश पर ब्याज सकल			
स्रोत पर काटा गया कुल ब्याज-शून्य		11,732,407	5,493,035
कार्यक्रमों से आय		2,144,400	2,689,300
अन्य आय	11	933,342	864,511
योग		145,009,084	101,867,734

व्यय			
स्थापना	12	35,827,142	18,205,625
डाक शिक्षण		19,700,442	16,966,726
प्रकाशन और कार्यालय स्टेशनरी		5,176,244	3,738,969
जर्नल और बुलेटिन		8,055,274	5,955,849
परीक्षा		6,957,448	3,815,374
संचार	13	3,904,591	3,557,632
क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को अनुदान		4,608,279	2,774,102
क्षेत्रीय कार्यालय		485,383	353,941
यात्रा और सवारी		2,130,282	1,923,848
मूल्य ह्रास	5	3,700,404	2,361,254
विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां और पुरस्कार		158,803	152,602
व्यावसायिक विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण		2,261,068*	2,505,927*
चिकित्सा व्यय निधि में अंशदान		4,000,000	1,000,000
कम्पनी सचिव कल्याण निधि में अंशदान		2,500,000	—
अन्य व्यय	14	8,824,698	5,301,360
		108,290,058	68,613,209
व्यय से अधिक आय जो सामान्य रिजर्व में ले जायी गई		36,719,026	33,254,525
योग		**145,009,084**	**101,867,734**

* क्षेत्र /शाखाओं और हितकारी निधि को आवंटित 2,53,240 रुपए (पिछले वर्ष 2,61,174 रुपए) की अधिशेष राशि शामिल है।

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

कृते और परिषद की ओर से

(के.ए. बालासुब्रह्मण्यन)	(डा० एम.पी. नारंग)	(डा० ए. के. सेन)	(डी.के. प्रहलाद राव)
पार्टनर	सचिव	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष

नई दिल्ली
तारीख : 01 सितम्बर, 1997

अनुसूची 1

पूंजी रिज़र्व

(राशि रुपयों में)

विवरण		31 मार्च, 1997		31 मार्च, 1996
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		3,653,825		3,352,625
प्रवेश शुल्क - एसोसिएट सदस्य	228,900		245,400	
-फैलो सदस्य	45,600		55,800	
परिसम्पत्तियों की बिक्री पर पूंजीगत लाभ	15,595		0	
		290,095		301,200
योग		3,943,920		3,653,825

सामान्य रिज़र्व अनुसूची-2

(राशि रुपयों में)

विवरण		31 मार्च, 1997		31 मार्च, 1996
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		98,490,457		64,722,482
जोड़ें: क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से अंशदान और सीधे प्राप्त दान राशि				
—भूमि और भवन	2,940,000		513,450	
—अन्य परिसंपत्तियां	0		0	
		2,940,000		513,450
		101,430,457		65,235,932
जोड़ें : आय एवं व्यय लेखा के अनुसार				
अधिशेष		36,719,026		33,254,525
	योग	138,149,483		98,490,457

वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना (सी सी आर टी) रिज़र्व अनुसूची-3

(राशि रुपयों में)

विवरण		31 मार्च, 1997	31 मार्च, 1996
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		4,214,312	1,168,340
प्राप्त दान राशि/अंशदान		7,014,662	2,965,484
निर्धारित निधियों पर ब्याज		70,047	80,488
	योग	11,299,021	4,214,312

चिकित्सा व्यय निधि

अनुसूची-4

(राशि रुपयों में)

विवरण	31 मार्च, 1997	31मार्च, 1996
पिछले तुलन पत्र के अनुसार	1,000,000	—
आय और व्यय लेखा से अंतरण	4,000,000	1,000,000
	5,000,000	1,000,000

स्थायी परिसंपत्तियां की अनुसूची

अनुसूची-5

(राशि रुपयों में)

मद	सकल ब्लाक 1.04.96 को लागत	वृद्धि	कटौतियां	31.3.97 को कुल लागत	मूल्य ह्रास 1.4.96 की स्थिति	वर्ष के दौरान	कटौतियां	31.3.97 को कुल जोड़	निवल ब्लाक 31.3.97 की स्थिति	31.3.96 की स्थिति
भूमि	5,157,888	4,394,287		9,552,175	0	0	0	0	9,552,175*	5,157,888
भवन	27,613,942	5,995,304	234,405	33,374,841	5,995,722	1,553,113	82,909	7,485,330	25,908,915	21,618,220
फर्नीचर और जुड़नार	2,619,524	229,238		2,848,762	1,554,816	279,514		1,834,330	1,014,432	1,064,707
एयरकण्डीशनर इंस्टालेशन और कूलर	1,077,192	113,905		1,191,097	810,227	57,130		867,357	323,740	266,965
बिजली के उपकरण	785,879	784,306		1,570,185	281,823	212,786		494,609	1,075,576	504,056
कार्यालय और संचार उपकरण	2,707,442	555,012		3,262,454	1,221,235	311,473		1,532,708	1,729,746	1,486,208
अन्य उपकरण	141,405	7,724		149,128	39,527	16,441	0	55,968	93,161	101,878
कम्प्यूटर और प्रिंटर	2,256,724	5,345,842		7,602,566	815,823	1,018,011	0	1,833,834	5,768,732	1,440,901
पुस्तकालय की पुस्तकें	1,504,457	405,534		1,909,991	1,002,268	181,545	0	1,183,813	726,178	502,189
वाहन	256,143	350,908	226,463	380,588	159,134	70,391	130,499	99,026	281,562	97,009
इस वर्ष का योग	44,120,596	18,182,060	460,868	61,841,788	11,880,575	3,700,404	213,408	15,367,571	46,474,217	32,240,022
पिछले वर्ष का जोड़	39,920,455	4,240,130	33,171	44,127,414	9,557,473	2,361,254	31,335	11,887,392	32,240,022	-
पेशगियां										
भूमि क्रय	1,159,375		859,375	300,000	0	0	0	0	300,000	1,159,375
निर्माणाधीन भवन										
वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना	3,169,995	7,120,999	24,106	10,266,888	0	0	0	0	10,266,888	3,169,995
अन्य	604,774	0	0	604,774	0	0	0	0	604,774	604,774
इस वर्ष का जोड़	4,934,144	7,120,999	883,481	11,171,662	0	0	0	0	11,171,662	4,934,144
पिछले वर्ष का जोड़	2,819,154	3,631,443	1,516,453	4,934,144	0	0	0	0	4,934,144	-

* इसमें मुम्बई में वैज्ञानिक अनुसंधान (सी.सी.आर.टी.) की भूमि के लिए 28,91,986 रुपए की राशि शामिल है

अनुसूची-6

निवेश-लागत पर (राशि रुपयों में)

विवरण	31.3.96	वृद्धि	विलोपन	31.3..1997
सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की मियादी जमा राशि				
- स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लि०	1,605,000	5,500,000	0	7,105,000
- नेशनल थर्मल पॉवर कार्पो० लि०	3,000,000	0	0	3,000,000
- इंडस्ट्रीयल फिनांस कार्पोरेशन आफ इंडिया	0	2,123,143	0	2,123,143
सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के बंध-पत्र				
- महानगर टेलीफोन निगम लि० के 17% ब्याज के एक-एक हजार रुपये के 3900 (पिछले वर्ष 4600) बंध पत्र	4,492,300	2,500,000	683,610	6,308,690
- नेशनल थर्मल पावर कार्पो० लि० के 13% ब्याज के एक-एक हजार रुपये के 600 (पिछले वर्ष) बंध-पत्र	507,917	0	0	507,917
- इण्डस्ट्रियल फिनान्स कार्पो० आफ इण्डिया के 15.5-16.5% ब्याज के एक-एक लाख रुपये के 115 बंध-पत्र	4,500,000	7,000,000	0	11,500,000
- इंडस्ट्रीयल फिनांस कार्पोरेशन आफ इंडिया के 15.5% ब्याज के पांच पांच हजार रुपए के 800 बंध पत्र	0	4,000,000	0	4,000,000
- भारतीय स्टेट बैंक के 14-15% ब्याज के एक-एक हजार रुपये के 6000 (पिछले वर्ष 5000)बंध-पत्र	4,837,500	920,000	0	5,757,500
- न्यूक्लियर पावर कार्पो० लि० के 16.25% ब्याज के एक-एक लाख रुपये के 10 (पिछले वर्ष 10) बंध-पत्र	1,000,000	0	0	1,000,000
- इण्डस्ट्रियल डेवलेपमेंट बैंक आफ इण्डिया के एक-एक लाख रुपये के 200 (पिछले वर्ष 200)जीरो कूपन बंध-पत्र	9,600,000	0	0	

- स्टील अथारिटी आफ इण्डिया के 16-16.75% ब्याज के एक-एक लाख रूपये के 45 (पिछले वर्ष 20) बंध -पत्र	2,000,000	2,500,000	0	4,500,000
- नेशनल हाइड्रो-पावर कार्पो० लि० के 16.25-17 % ब्याज के एक-एक हजार के 11000(पिछले वर्ष 2000) बंध-पत्र	2,000,000	9,000,000	-	11,000,000
- इंडस्ट्रीयल इंवेस्टमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया लि० के				
- इंडस्ट्रीयल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कार्पो० आफ इंडिया लि० के 16% ब्याज के दस दस लाख रुपए के 5 बंधपत्र और	0	5,000,000	0	5,000,000
- 16% ब्याज के एक एक हजार रुपए के 30 बंध पत्र	0	29,880	0	29,880*
- इंडियन रेलवे फिनांस कार्पोरेशन लि० के 16.5% ब्याज के एक एक हजार रुपए के 1000 बंध पत्र	0	980,000	0	980,000
शिपिंग क्रेडिट एंड इंवेस्टमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया लि० के 16% ब्याज के पांच पांच हजार रुपए के 200 बंध पत्र	0	1,000,000	0	1,000,000
भारतीय यूनिट ट्रस्ट के (यू.एस. 64- योजना के अधीन)यूनिट				
- 354043 यूनिट, जिनमें 32413 बोनस यूनिट शामिल हैं (पिछले वर्ष 321630)	5,621,129	0	0	5,621,129
- 2550 यूनिट (पिछले वर्ष 2550)	153,578	0	0	153,578*
योग	39,317,424	40,553,023	683,610	79,186,837

1. 31.3.1997 को सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के बंधपत्रों का बाजार मूल्य मालूम नहीं है।
2. 31.3.1997 के दिन भारतीय यूनिट ट्रस्ट की यू एस-64 योजना के अधीन पुनः विक्रय मूल्य 52,31,219 रुपए था

*पुरस्कार प्रदान करने के लिए निर्धारित।

चालू परिसंपत्तियां

अनुसूची-7

राशि रुपयों में

विवरण		31 मार्च, 1997			31 मार्च, 1996	
निवेशों पर प्रोदभूत ब्याज			7,728,484			2,291,980
स्टॉक (प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित, लिया गया और प्रमाणित)						
(क) प्रकाशन		358,630			1,956,186	
(ख) कागज		5,777,177			6,395,899	
(ग) अध्ययन सामग्री		258,801			1,634,750	
(घ) अन्य		262,007			495,244	
			6,656,615			10,482,079
विविध देनदार (असुरक्षित)						
(क) राशि, जो छह महीने से अधिक समय से बकाया है						
1. जिनकी वसूली की संभावना है।	67,890			56,370		
2. जिनकी वसूली की संभावना संदिग्ध है।	35,850			13,995		
	103,740			70,365		
(ख) अन्य जिनकी वसूली की संभावना है	811,065			561,002		
घटाएं : संदिग्ध और वसूल न हो सकने वाली राशि के लिए प्रावधान		914,805			631,367	
		(35,850)			(13,995)	
			878,955			617,372

नगदी और बैंक शेष

(क) हस्तगत नकदी, चैक, ड्राफ्ट, और डाक टिकट/फ्रैंकिंग यूनिट		1,66,095			373,442	
(ख)अनुसूचित बैंकों के पास						
-बचत बैंक खातों में जमा	12,756,812*			9,099,110*		
-अल्प अवधि खातों में जमा	4,600,000**			5,700,000**		
-दीर्घ अवधि खातों में जमा	12,933,922			9,333,922		
(पुरस्कारों के लिए निर्धारित 33,922 रुपये (पिछले वर्ष 33,922 रुपए) की पुरस्कार प्रदान करने की राशि शामिल है।)						
		30,290,734			**24,133,032**	
			31,456,829			24,506,474
योग			**46,720,883**			**37,897,905**

* मुम्बई में वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना (सी सी आर टी) के लिए निर्धारित 9,04,854 रुपए (पिछले वर्ष 11,45,527 रुपए) की राशि शामिल है ।

** मुम्बई में वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना (सी सी आर टी) के लिए निर्धारित की 5,00,000 रूपए (पिछले वर्ष 5,00,000 रुपए) की राशि शामिल है।

ऋण और पेशगियां

अनुसूची-8

राशि रुपयों में

विवरण		31 मार्च, 1997		31 मार्च, 1996
ऋणः				
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के भवनों के लिए पेशगियां		18,524,449		9,757,471
पेशगियां :				
कर्मचारी	3,064,451		2,787,717	
क्षेत्रीय परिषदें /शाखायें	186,508		179,762	
अन्य	1,771,752		2,140,972	
		5,022,711		5,108,451
पूर्व प्रदत्त व्यय		943,504		595,730
विविध जमा राशियां		374,719		271,169
जोड़		**24,865,383**		**15,732,821**

चालू देयतायें और प्रावधान

अनुसूची-9

(राशि रुपयों में)

विवरण		**31 मार्च, 1997**		**31 मार्च, 1996**
देयतायें				
विद्यार्थियों से प्राप्त अग्रिम रजिस्ट्रेशन शुल्क		22,982,225		15,281,069
अन्य अग्रिम प्राप्त राशियां		1,109,352		89,588
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को देय अनुदान		1,839,524		1,546,944
विविध लेनदार		594,262		627,045
देय व्यय		20,340,064*		4,815,708
हितकारी निधि				
कंपनी सचिव	2,653,622		45,998	
कर्मचारी	64,046		72,463	
		2,717,668		118,461
पुरस्कार प्रदान करने के लिये जमा राशि (दूसरी तरफ)		217,500		207,500
दानराशि का पुनः आवंटन		225,963		77,407
जोड़		**50,026,558**		**22,763,722**

* 125 लाख रुपए की राशि (पिछले वर्ष शून्य) पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर दिए जाने वाले संशोधित वेतन और भत्तों तथा लाभों के कार्यान्वयन के लिए रखी गई है।

सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क

अनुसूची-10

(राशि रुपयों में)

विवरण		1996-97		1995-96
सदस्य				
वार्षिक शुल्क	2,876,000		2,791,323	
अन्य शुल्क	9,600		23,677	
		2,885,600		**2,815,000**
विद्यार्थी				
पंजीकरण शुल्क	17,285,596		11,046,738	
छूट शुल्क	3,686,710		3,338,233	
डाक शिक्षण शुल्क	71,197,894		52,703,853	
परीक्षा शुल्क	24,572,115		14,004,170	
लाइसेंस शुल्क	136,555		176,893	
अन्य शुल्क	151,777		100,381	
		117,030,647		81,370,268
योग		**119,916,247**		**84,185,268**

अनुसूची-11

(राशि रुपयों में)

विवरण	1996-97	1995-96
बंध पत्रों पर प्रोत्साहन राशि	264,569	361,619
निवेश बिक्री से लाभ	19,116	11,500
बीमा दावा-राशि	0	314,535
कर्मचारी पेशगियों पर ब्याज	59,116	22,188
विशेषज्ञ परामर्शी सेवाएं	17,000	7,000
परिसंपत्तियों के निपटान से अधिशेष	103,520	364
वह राशि जिसके प्रावधान की अब आवश्यकता नहीं है,	389,028	75,063
विविध आय	80,993	72,242
योग	**933,342**	**864,511**

अनुसूची-12

स्थापना

(राशि रुपयों में)

विवरण	1996-97	1995-96
वेतन और भत्ते	28,143,303	16,081,113
अशंदानः भविष्य निधि	1,445,580	428,139
उपदान निधि	708,156	388,496
पेंशन निधि	3,540,968	149,000
पश्च-सेवा निवृत्ति चिकित्सा योजना	672,240	--
कर्मचारी कल्याण	1,316,895	1,158,877
योग	**35,827,142***	**18,205,625**

* इसमें 125 लाख रुपए की राशि पांचवे आयोग की सिफारिशों के फलस्वरूप संशोधित वेतन, भत्तों और सेवानिवृत्ति लाभों के कार्यान्वयन के लिए शामिल है ।

संचार अनुसूची -13

(राशि रुपयों में)

विवरण	1996-97	1995-96
डाक खर्च और तार	3,144,721	2,952,652
टेलीफोन, फैक्स और टेलेक्स	759,870	604,980
योग	**3,904,591**	**3,557,632**

अन्य व्यय अनुसूची-14

(राशि रुपयों में)

विवरण		1996-97		1995-96
विज्ञापन और प्रचार		1,248,708		1,248,153
बैंक प्रभार		86,738		58,307
बिजली और पानी		1,235,312		677,778
बीमा		47,008		39,222
किराया, दर और कर		702,478		253,185
मरम्मत और अनुरक्षण : भवन	608,810		99,789	
वाहन	76,937		106,994	
अन्य	454,231		358,845	

		1,139,978		565,628
विधि और व्यावसायिक प्रभार		588,723		153,340
कार्यालय व्यय		796,488		822,618
कम्प्युटरीकरण - डाटा प्रोसेसिंग	1,222,322		448,816	
साफ्टवेयर	368,909		—	
		1,591,231		448,816
बैठकें		240,813		201,432
पैकिंग, ढुलाई और भाड़ा		922,622		656,229
सुरक्षा सेवाएं		167,744		150,277
लेखा परीक्षा शुल्क		35,000		20,000
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान		21,855		6,375
योग		**8,824,698**		**5,301,360**

अनुसूची-15

लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां

(क) लेखांकन नीतियां

1. क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा दान राशियां और अंशदान - सीधे प्राप्त दान राशियों और क्षेत्रीय/शाखाओं द्वारा भूमि/भवनों की खरीद के लिये अंशदानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों को "स्थायी परिसम्पत्ति रिजर्व" खाते में जमा किया जाता है और इस प्रकार की परिसम्पत्तियों को खरीदने के लिए वस्तुतः उपयोग की गई राशियों को "सामान्य रिजर्व" में अन्तरित किया जाता है।

2. **शुल्क**

(क) फैलो और एसोसिएट सदस्यों से प्रवेश शुल्क प्राप्त होने पर उसे पूंजीकृत कर दिया जाता है और "पूंजी रिजर्व" खाते में दिखाया जाता है।

(ख) सदस्यों से जितना शुल्क प्राप्त होता है, उतनी ही राशि हिसाब में ली जाती है। किन्तु अग्रिम में प्राप्त शुल्क को देयता के रूप में आगे ले जाया जाता है।

(ग) पंजीकरण शुल्क को छोड़ कर विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क को नकद-आधार पर हिसाब में लिया जाता है। पंजीकरण शुल्क को पांच वर्ष की अवधि में बराबर बांटकर आय के रूप में लिया जाता है, क्योंकि विद्यार्थियों को लाभ पांच वर्षों की अवधि तक मिलता है।

3. **निवेश**

निवेश का मूल्य लागत के अनुसार आंका जाता है ।

4. **स्थायी परिसम्पत्तियां**

(क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को लिखित मूल्य आधार पर निम्नलिखित दरों के अनुसार प्रभारित किया जाता है:

	%
भवन	5
फर्नीचर और जुड़नार	10
एयरकंडीशनर/कूलर/कम्प्यूटर तथा अन्य उपस्कर	15
पुस्तकालय की पुस्तकें	20
वाहन	20

(ख) परिवर्धनों पर मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिये प्रभारित किया जाता है, चाहे परिवर्धनों की तारीखें कुछ भी हों।

(ग) पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर, 5,000 रुपए या इस से कम मूल्य की स्थायी परिसम्पत्तियों का पूर्ण मूल्यह्रास उन परिसम्पत्तियों के प्राप्ति वर्ष में किया जाता है।

5. इंवेंटरी

(क) कागज तथा अन्य सामग्री के स्टॉक का मूल्यांकन उनकी लागत पर किया जाता है।

(ख) अध्ययन सामग्री, प्रकाशनों, जर्नलों। बुलेटिनों और आडियों कैसेटों का मूल्य निम्नलिखित नाम-मात्र लागत के आधार पर लगाया जाता है: 50 रुपए तक की मूल्य वाली मदों के लिए 1 रुपए और 50 रुपए से अधिक मूल्य की मदों के लिए 5 रुपए।

6. कर्मचारी सेवा-निवृत्ति लाभ

(क) पेंशन निधि न्यास में अंशदान बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

(ख) उपदान न्यास में अंशदान भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप उपदान योजना के अनुसार किया जाता है

(ग) छुट्टी का नकद भुगतान नकद आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

7. **ब्याज**

(क) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संचयी बंधपत्रों में किये गये निवेशों और अन्य निवेशों पर प्राप्त ब्याज को उतनी सीमा तक आय के रूप में लिया है, जितनी आय वस्तुतः हुई है।

(ख) कर्मचारियों को दिए गए उधार पर ब्याज को खाते में नकद आधार पर जब ब्याज मिलता है, तभी हिसाब में और उसके बाद कोई जमा राशि का प्रावधान नहीं रखा जाता है।

(ख) वित्तीय विवरण से संबंधित टिप्पणियां

1. इंस्टीट्यूट को वित्तीय वर्ष 1996-97 तक के लिए आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23ग)(iv) के अधीन 17-06-97 का छूट प्रमाण पत्र मिल गया है। उपर्युक्त धारा के अधीन छूट को देखते हुए लेखों में कर का प्रावधान नहीं किया गया है।

2. प्रसाद नगर, नई दिल्ली के भवन के बारे में उच्च न्यायालय ने 29-04-97 के अपने आदेश में ठेकेदारों द्वारा इंस्टीट्यूट से किए गए 57.21 लाख रुपए के दावे के सम्बन्ध में उन्हें 13.29 लाख रुपए की राशि देने का आदेश जारी किया है (जिसमें 9 जुलाई 1997 तक 12% की दर से 3.11 लाख रुपए का ब्याज शामिल है)।

   29 अप्रैल 1997 के उच्च न्यायालय के आदेश द्वारा यह मामला तय कर देने पर अब भवन खाते में 13.29 लाख रुपए की राशि को डेबिट में डाल कर प्रावधान किया गया है। 31 मार्च 1994 से 31 मार्च 1997 तक इस अतिरिक्त राशि पर 2.46 लाख रुपए का मूल्यह्रास प्रभारित किया गया है और आय तथा व्यय लेखे में डेबिट किया गया है।

3. हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद ने 3.65 लाख रुपए में 500 वर्ग गज की जड़ खरीद भूमि का आवंटन इंस्टीट्यूट की फरीदाबाद शाखा के नाम किया था, परन्तु हुडा इसका कब्जा इस भूमि की मल्कियत के विवाद के कारण नहीं दे सका और उसने एक दूसरा प्लाट देने का वायदा किया था, जो अभी तक पूरा नहीं किया है। दूसरे प्लाट का आवंटन का मामला लटका रहने के कारण अभी तक भुगतान कर दी गई 3.65 लाख रुपए (3 लाख रुपए इंस्टीट्यूट की लेखा पुस्तक में भूमि खरीद के लिए पेशगी के रूप में दिखाए गए हैं और 65 हजार रुपए शाखा की लेखा पुस्तक में है) पेशगियों के अन्तर्गत चल रहे हैं।

4. अनुमान के आधार पर प्रसाद नगर भवन के बारे में खाते में 12 लाख रुपए के संपत्ति कर (जिसमें 2 लाख रुपए चालू वर्ष के लिए शामिल है) का प्रावधान किया गया है। यदि प्रावधान की गई राशि और वास्तव में राशि का भुगतान करने पर कोई अंतर होगा तो उस राशि को उसी वर्ष के हिसाब में ले लिया जाएगा, जब

5. अनुमान के आधार पर, पांचवें वेतन आयोग के द्वारा सिफारिश किए गए संशोधित वेतनमानों का कार्यान्वियन करने पर वेतन तथा भत्तों की दी जाने वाली बकाया राशि और ट्रस्टों में किए जाने वाले अंशदानों के लिए 1 करोड़ 25 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है ।

6. प्रसाद नगर भवन में लिफ्ट के लिए 'ओटिस' को 6, 04, 773 .80 रुपए की भुगतान राशि को स्थायी परिसंपत्ति अनुसूची में पेशगी के रूप में दिखाया जा रहा है, क्योंकि स्थायी बिजली कनेक्शन न मिलने के कारण अभी तक लिफ्ट चालू नहीं हो पाई है।

7. अभी तक इंस्टीट्यूट अपने प्रकाशनों/ अध्ययन सामग्री की सीधी लागत के आधार पर उनकी समापन इंवेंट्री पर मूल्यांकन करता रहा है। चूंकि इन प्रकाशानों/ अध्ययन सामग्री का महत्व विद्यार्थियों को छोड़ कर अन्य किसी व्यक्ति के लिए नहीं है, और वह भी जब वे इन्हें खरीदते हैं, इसलिए इस वर्ष से यह तय किया गया है कि यह अधिक विवेक सम्मत होगा कि इनका मूल्यांकन नाममात्र मूल्य पर किया जाए। मूल्यांकन में इस आधार के कारण प्रकाशनों/अध्ययन सामग्री की इंवेंट्रियों को 48, 59, 844 से घटा कर 8,79,438 रुपए कर दिया गया है, जिसके फलस्वरूप रुपए इस वर्ष के अधिशेष/परिसंपत्तियों पर प्रभाव पड़ा है।

8. वसूल की जाने वाली पेशगियों के खाते में बकाया शेष, क्षेत्रीय परिषदों /शाखाओं के ऋणों की पुष्टि होनी है।

9. जहां आवश्यक हुआ है, पिछले वर्ष के आंकड़ों की इस वर्ष के आंकड़ों से तुलना करने के लिए पुनः समूहीकरण /पुनः व्यवस्थित किया गया है।

10. पहले की तरह ही इस बार भी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं के खातों को समेकित नहीं किया गया है।

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September, 1997

F. No. 104/25/Accts.—Seventeenth Annual Report of the Council for the year ended 31st March, 1997.

1. INTRODUCTION

1.1 In pursuance of the requirement of Sub-section (5) of Section 18 of the Company Secretaries Act, 1980, the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to present this Seventeenth Annual Report and audited statements of account along with auditors' report thereon on the working of the Institute for the year ended 31st March, 1997.

1.2 The sustained efforts to create awareness about the profession during the current as well as last few years have culminated into increased membership and student registration. The profession of Company Secretaries continues to have a high reputation and the company secretarial career is still a favourite choice of the students.

2. DEVELOPMENTS

2.1 Twenty Fourth National Convention

The 24th National Convention of Company Secretaries was held at Calcutta on 28th and 29th November, 1996 on the theme of "VISION 21ST CENTURY". The Convention was well attended and deliberations were of very high quality. The Council places on record its appreciation of the efforts of EIRC in this regard.

2.2 Meeting with the Hon'ble Minister of Finance, Government of India

A delegation from the Institute consisting of President, Council Members and Secretary of the Institute had met the Hon'ble Minister of Finance, Govt. of India, Mr. P Chidambaram on July 12, 1996 to apprise him of the areas where the services of Company Secretaries could be effectively utilised by the Corporate Sector and others.

2.3 Meeting with the Hon'ble Minister of State for Finance, Government of India

The President, members of the Council and officials of the Institute had also a meeting with the Minister of State for Finance, Government of India , Mr. Veerender Kumar on 17th March 1997 to discuss the recommendations of the Working Group on the Companies Act , 1956 in relation to the profession of company secretaries. The Institute also submitted its suggestions and comments to the Hon'ble Minister.

2.4 Meeting with the Chairman and Senior Officers of SEBI

A meeting of the President, members of the Council and officials of the Institute with the Chairman and senior officers of SEBI was held on 26th March 1997 to discuss the areas where the services and expertise of company secretaries could be effectively utilised to achieve the ultimate objective of SEBI to develop and regulate capital market.

2.5 Research Centre at Belapur, Navi Mumbai (CCRT)

The building construction work of the Centre for Corporate Reserch and Training (CCRT) being set up at Navi Mumbai at a cost of Rs. 150 lacs is nearing completion. The Vastu Pooja was performed in the last week of December 1996. The Centre is expected to become operational during the current year (1997-98).

The Centre is dedicated to develop corporate professionals through education, training, consultancy, research and Publications. The Centre will provide multipurpose facilities for education, training and research in the fields of Law, Commerce, Business Management, Capital Markets and Corporate Governance and the changing needs of the corporate world in the days to come and train the professionals accordingly.

3. COUNCIL

3.1 President and Vice-President

At the Ninety Second meeting of the Council held on 1st January, 1997, Mr. D K Prahlada Rao and Mr. Amit K Sen were elected as President and Vice-President respectively for a period of one year from 1st January, 1997.

3.2 Meetings

Apart from various committee meetings, the Council held five meetings during 1996-97.

3.3 Committees, etc.

The composition of various committees, specialised groups and advisory boards constituted by the Council is given in Appendix 'A' to the Report.

REGIONAL COUNCILS AND CHAPTERS

4.1 Regional Councils

The four Regional Councils continued to provide support and assistance to the Council by carrying out their activities and functions with great zeal and enthusiasm. The Regional Councils conducted career fairs, phone in programmes, seminars and workshops, SMTPs, oral coaching classes, students' guidance meetings, students conferences, study circle meetings and Regional Members' Conferences. They have also been carrying out extensive library updations, publishing news bulletins and providing employment service to members by maintaining a data base, dissemination of information to members/students, selling Institute's publications. As per the directions of the Council, some of the activities being undertaken by the headquarters are being decentralised in the Northern India Regional Council and in a phased manner in other Regional Councils and major Chapters. The Reserves and Surplus of each Regional Council and the number of members and students in each Regional Council as on 31st March, 1997 are shown below.

Item	EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
(a) Financial position :				
(i) Surplus 1996-97 (Rs.)	60,884	10,84,349	53,321	(-)72,751
(ii) Reserves	13,28,236	29,80,879	16,95,356	2,72,405
(b) Number of Regular Course students				
- As on 31st March'97	20,525	45,385	29,231	31,624
- As on 31st March'96	17,999	34,904	27,563	24,076
- % increase during '96-97	14.0	30.0	6.1	31.4
(c) Number of Foundation Course Students				
- As on 31st March'97	11,254	34,762	11,918	12,966
- As on 31st March'96	7,497	22,139	8,033	8,664
- % increase during'96-97	50.1	57.0	48.4	49.7
(d) Number of Members				
- As on 31st March'97	1348	3007	3026	3963
- As on 31st March'96	1428	2791	2779	3667
- % increase during'96-97	(-)5.6	7.7	8.9	8.1

4.2 Chapters

During 1996-97, the office bearers of the Managing Committees of all the 36 Chapters of the Institute were elected and the Managing Committees were reconstituted in accordance with the Company Secretaries Regulations, 1982, read with Company Secretaries Chapters Guidelines, 1983. The Chapters carried out a number of activities for the education, oral coaching and training of students and also organised professional development programmes for members during the year under report. As on date, thirteen Chapters mentioned below have their own office premises.

Ahmedabad,Bangalore, Bhopal, Cochin, Dombivli, Ghaziabad, Goa, Hyderabad, Indore, Jaipur, Kanpur, Pune and Vadodara.

4.3 Best Chapter Awards

The Best Chapter Award for 1995 were presented to the following Chapters at the inaugural session of 24th National Convention held in Calcutta:

National Best Chapter Award

Kanpur and Jaipur - Jointly
Regional Best Chapters

East - Bhubaneswar
North - Kanpur and Jaipur
South - Hyderabad
West - Pune

4.4 Satellite Chapters

The Council of the Institute has laid down the guidelines for constitution of Satellite Chapters. Accordingly, 9 Satellite Chapters have been set up at the following places :

North - Agra,Allahabad,Gurgaon,Jodhpur,Meerut
South - Hubli-Dharwad,Kottayam,Trichur
West - Nasik

Institute's publications and copies of study materials are made available to the students of the Institute through the satellite chapters.

5. MEMBERS

5.1 Growth of Members and CP Holders

	Number of Members As on 31st March				
	1993	1994	1995	1996	1997
Associate	6789	7119	7598	8012	8481
Fellow	2059	2209	2408	2653	2863
CP Holders	609	699	735	799	887

During 1996-97, 763 and 228 persons were admitted as Associate and Fellow Members respectively. As on 31st March 1997, the Institute has 11344 members comprising of 8481 Associates and 2863 Fellows on its Register. The number of members residing abroad as on 31st March, 1997 were 234. The Council regrets to report the demise of 23 members during the year.

5.2 During 1996-97, Certificates of Practice were issued to 181 members. As on 31st March, 1997, there were 887 members holding certificates of practice.

5.3 List of Members

In pursuance of section 19(3) of the Company Secretaries Act,1980 read with Regulation 161 of Company Secretaries Regulations, 1982, a supplementary list of Members as on 1st April, 1996 giving certain information such as members' residential addresses, telephone numbers, fax numbers and professional addresses, as before, has been published . The list is supplied to members on request. Additional information have been provided in the list essentially to facilitate better communication and interaction among the members.

5.4 During 1996-97, three complaints against the members alleging professional or other misconduct were disposed off As on 31st March 1997, three complaints were pending for final disposal.

6. PROFESSIONAL DEVELOPMENT AND CONTINUING EDUCATION PROGRAMMES

6.1 Post Membership Qualification Course in "Capital Markets & Financial Services"

The Post Membership Qualification Course in Capital Markets and Financial Services was formally launched in November 1995 at the inaugral function of the 23rd National Convention. 282 members of the Institute have registered for the course as on 31st March 1997. The first examination of the PMQ course was held in December 1996, in four centres, viz., Calcutta, Chennai, Delhi and Mumbai. Sixteen members were declared successful in part one of the Course, out of 72 members who appeared for the examination.

6.2 Four professional development programmes including the 24th National Convention were held during 1996-97. The details are given in Appendix 'B' to the Report.

7. PUBLICATIONS

7.1 'Chartered Secretary'

The journal, after having made a modest beginning in the year 1971 as a quarterly journal, increased its frequency of publication as a monthly journal in the year 1972. The journal has now entered its 27th year of publication. Rated as one of the best professional journals, it has received accolades from various quarters, be it industry, commerce or trade as well as other professionals for its quality publication of informative articles on contemporary topics, promptly providing Govt. notifications, legal decisions, etc. It serves as an effective medium of communication between the Institute on the one hand and members and others who deal with the Institute on the other. The journal, during the year under review, brought out three special issues on the following topics which were well received and appreciated by corporate professionals.

(a) Union Budget - September 1996 issue
(b) Financial Services / Capital Markets, - October 1996
(c) Alternative Dispute Resolution , December 1996

7.2 Study Material

The task of bringing out the study material in book form was pursued during 1996-97 also. As on 31st March, 1997 the following study materials have been brought out in book form :

(a) All the four subjects of Foundation Course
(b) All the eight subjects of Intermediate course
(c) Four out of eight subjects of Final Course

authorities at Faridabad have recommended allotment of alternative plot of land. The proposal is pending with the Chairman of HUDA at Chandigarh for approval.

15.3 NOIDA Chapter Land

The Institute has purchased a plot of land measuring 1375 Sq. Mtr. at a cost of Rs. 34.38 lacs in Sector 62, Phase II, Institutional Area, NOIDA. The possession of the plot has been taken over by the Institute. Construction of the building is expected to commence by end of 1997.

16. CAPITAL GRANTS AND LOANS TO THE CHAPTERS

16.1 The total grant and loan given by the Institute to its Regional Councils and Chapters for acquiring their own office premises as on 31st March, 1997 are as follows :-

(a) Grant	Rs. 302.87 lacs
(b) Loan	Rs. 213.30 lacs

The endeavour of the Institute has been to help and supplement the Regional Councils and Chapters in their efforts to acquire premises. A number of Regional Councils and Chapters have made tremendous efforts to raise resources for premises/building projects. The Council places on record its appreciation of such efforts by these Regional Councils/Chapters.

17. COMPANY SECRETARIES BENEVOLENT FUND (CSBF)

17.1 Growth of CSBF Members

Number of members as on

31 Mar93	31 Mar94	31 Mar95	31 Mar96	31 Mar97
1309	1472	1750	2088	2249

The CSBF has a life membership of 2249 members as on 31st March, 1997. The membership has shown a gradual increase over the years. The capital reserve and general reserve of the Benevolent Fund as on 31st March, 1997 stood at Rs 17.13 lacs and Rs 8.51 lacs respectively.

17.2 Efforts are continuing to enroll more number of members to the Fund. This will enable the Fund to provide better financial benefits to the members in financial distress and their families on account of death, prolonged illness, accident, etc. This is a self insurance measure. Life Membership fee of Rs. 1000/- is exempt under section 80G of the Income Tax Act, 1961.

18. HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

The ICSI believes that professional excellence is a must for achieving constant improvement in productivity. Therefore, the Management values continuous development of human resource at micro level. In line with this philosophy efforts were made to enhance knowledge and upgrade managerial and technical skills of the officers and staff to enable them to understand emerging concepts and appreciate the need for their application in live situations for overall growth and development of the Institute. Keeping this in view, officers and staff were nominated to various training and development programmes being conducted by external agencies.

Apart from this, employer-employee relations remained quite harmonious throughout the year. To strengthen ties between staff and the management regular meetings were held between the Employees Union representatives and the Management in which various issues were discussed and sorted out amicably.

19. FUTURE OUTLOOK

The profession of Company Secretaries has always kept pace with the changing scenario inclined to global economic order. The professional development programmes of the Institute have accordingly been directed towards strengthening the capabilities of each member to add value to his service to the corporate sector and to realise the fullest potential of development in the emerging era of liberalised business and legal environment, globalisation of business, internatinal cooperation and collaboration. The Institute in this context, has constituted a Syllabus Review Committee to review thoroughly the Company Secretaryship Syllabus. The Council has also constituted a Perspective Planning Group under the Chairmanship of Mr. C R Shah, Past President of the Institute to suggest the necessary changes in the Perspective Plan laid down by the Council in 1991.

A SWOT analysis has been undertaken by the group. A questionnaire has been published in the Chartered Secretary to elicit the views and perceptions of the members of the Institute about the future role and responsibilities of our members in the changing environment. The Centre for Corporate Research and Training (CCRT) being set up at New Mumbai to encourage qualitative research and training is another step in this direction.

In view of emerging trend of interdependence and cooperation as an instrument for looking at things in broader perspective, the Institute plans to continue its efforts to develop more closer ties with captains of industry, trade, capital market and financial services.

As part of developing cooperation with sister professional institutions abroad, dialogue initiated with International body of the Institute of Chartered Secretaries and Administrators to identify various areas of of mutual interest including exchange of information beneficial to the profession of Company Secretaries of India is continuing. Both the Institute of Company Secretaries of India and the Institute of Chartered Secretaries and Administration, U.K. have agreed in principle on grant of paperwise exemptions on reciprocal basis. It is expected that the formal agreement will be finalised during the current year (1997-98).

20. CORPORATE GOVERNANCE

The need for qualitative improvement in the corporate governannce in our country in the context of LPG-Liberalisation, Privatisation and Globalisation - was chosen as theme of the year. The President highlighted this in all his press briefings and emphasised the need to bring out a voluntary code of good corporate practices by the Institute.

21. CODE OF CONDUCT

The Council emphasises on the need to observe strictly the code of conduct outlined in the CS Act 1980 by our members in employment and practice. This is absolutely necessary in the context of ongoing efforts on the part of the Institute to enlarge the practicing areas under the Companies Act, SEBI Act and other corporate legislations. This will strengthen the status and standing of the Institute as a professional body among national premier organisations.

22. ACKNOWLEDGEMENTS

The Council places on record its gratitude to the Minister and Officers of the Central Government particularly the Department of Company Affairs and SEBI for their help, guidance and support to the development of the profession and activities of the Institute during the year. The Council is also grateful to various State Governments, Financial/Industrial/Investment Institutions / corporate sector in general and various Chambers of Commerce, Trade Associations and other agencies which have been increasingly inclined to avail of the services of members of the Institute and recognise their expertise in the field of corporate laws, finance, management and allied areas. The Council also places on record its deep appreciation of the assistance and cooperation of Regional Councils and Chapters and of the commitment and devotion to duty exhibited by all levels of Officers and staff of the Institute.

For and on behalf of the Council
of the Institute of Company Secretaries of India

Sd/-
D. K. PRAHLADA RAO, President

New Delhi
Date : 2nd September, 1997

APPENDIX 'A'

LIST OF STANDING AND NON-STANDING COMMITTEES OF THE COUNCIL FOR THE YEAR 1997

(I) STANDING COMMITTEES

1. Disciplinary Committee

D K Prahlada Rao	Chairman
N K Jain	Member
R D Joshi	Member

2. Examination Committee

Amit K Sen	Chairman
Girish Ahuja	Member
N K Jain	Member

3. Executive Committee

D K Prahlada Rao	Chairman
Amit K Sen	Member
K R Chandratre (Dr.)	Member
Virender Ganda	Member
R D Joshi	Member

(II) NON-STANDING COMMITTEES

4. Professional Development Committee

D K Prahlada Rao	Chairman
Vivek Agarwal	Member
S D Israni	Member
S S Kumar	Member
R Krishnan	Member
S Ramabadran	Member

5. Training and Educational Facilities Committee

Amit K Sen	Chairman
Vivek Agarwal	Member
Virender Ganda	Member
S K Jain*	Member
A K Modi	Member
M S Raghavan	Member

* since resigned

6. Regulation Committee

Amit K Sen	Chairman
K R Chandratre	Member
U K Chaudhary	Member
S K Jain*	Member
S S Kumar	Member
M S Raghavan	Member

7. Co-ordination Committee
(For Co-ordination with ICAI and ICWAI)

D K Prahlada Rao	Chairman
Amit K Sen	Member
Girish Ahuja	Member
U K Chaudhary	Member
R Krishnan	Member
S Ramabadran	Member

8. Editorial Advisory Board

V K Majotra	Chairman
Virender Ganda	Member
Delep Goswami	Member
R S Nigam (Prof.)	Member
Kalyan Rajpuria	Member
S S Sodhi	Member
A K Poddar	Member
Sunil Chopra	Member
K G Bansal	Member
D P Sharma	Member
S B Mathur	Member
Bishan Sahai	Member

9. Expert Advisory Group

Justice K N Singh	Chairman
R N Bansal	Member
S D Israni (Dr.)	Member
D C Jain	Member
S S Kumar	Member
R V Narayanan	Member
Shyamal Sen	Member
N J N Vazifdar	Member

10. CCRT Committee

A K Modi	Chairman
N L Bhatia	Member
K R Chandratre (Dr.)	Member
S D Israni (Dr.)	Member
S K Jain*	Member
K D Kapasi	Member
R Ramachandran	Member
C R Shah	Member
Pramod S Shah	Member
P P Mistry (Dr.)	Member
N J N Vazifdar	Member
Office Bearers of WIRC	Member
D K Prahlada Rao	Ex Officio Member
Amit K Sen	Ex Officio Member
S P Narang (Dr.)	Ex Officio Member

11. Post Membership Qualification Committee

Amit K Sen	Chairman
Girish Ahuja	Member
N K Jain	Member

12. Perspective Planning Group

C R Shah	Chairman
K R Chandratre (Dr.)	Member
S D Israni (Dr.)	Member
R Krishnan	Member
D K Prahlada Rao	Member
M S Raghavan	Member
S P Narang (Dr.)	Member

13. Syllabus Review Committee

R Krishnan	Chairman
Girish Ahuja	Member
K R Chandratre (Dr.)	Member
A K Modi	Member
R S Nigam (Prof.)	Member
D K Prahlada Rao	Member
M S Raghavan	Member
S P Narang (Dr.)	Member

APPENDIX 'B'

PROFESSIONAL DEVELOPMENT PROGRAMMES. SEMINARS AND CONVENTIONS 1996-97

(A) National Seminar on "Alternative Dispute Resolutin" jointly with ICADR and Bengal Chamber of Commerce and Industry was held on June 29, 1996 at Calcutta. 21 delegates participated.

(B) ICSI-ICAI Joint Professional Development Programme on Corporate Finance and Law was held on September 8-9, 1996 at Mumbai. 112 delegates participated.

(C) 24th National Convention on 'Vision 21st Century November 28-29, 1996 at Calcutta. Nearly 500 delegates participated.

(D) Programme on Mergers and Acquisitions organised jointly with Administrative Staff College of India February 20-22, 1997 at Hyderabad. 19 delegates participated.

APPENDIX 'C'

STATISTICS ON STUDENTS APPEARED AND PASSED IN EXAMINATIONS I - JUNE 1996 SESSION

Examination	Enrolled	Appeared	Passed	Pass % age
FOUNDATION	9276	7384	1652	22.37
INTERMEDIATE*				
GROUP - I	16132	10058	1062	10.55
GROUP - II	15621	10054	1467	14.59
FINAL **				
GROUP - I	2685	1898	515	27.13
GROUP - II	2747	1849	575	31.09

* 3354 candidates appeared for both the groups of Intermediate examination out of whom 208 candidates passed both groups (6.20%)

** 769 candidates appeared for both groups of Final examination out of whom 96 candiates passed both groups (12.40%).

****

II - DECEMBER 1996 SESSION

Examination	Enrolled	Appeared	Passed	Pass % age
FOUNDATION	10547	8623	1859	21.55
INTERMEDIATE*				
GROUP - I	19682	11875	1266	10.66
GROUP - II	18869	11751	1720	14.63
FINAL **				
GROUP - I	3143	2237	552	24.67
GROUP - II	3184	2173	568	26.13

* 5109 candidates appeared for both groups of intermediate examination, out of whom 195 candidates passed both groups (3.81%)

** 1067 candidates appeared for both groups out of whom 105 candidates passed both groups (9.84%).

KHANNA & ANNADHANAM
CHARTERED ACCOUNTANTS
706, Akash Deep, 26-A, Barakhamba Road
P.O. Box 648, NEW DELHI 110 001
Tel : 3315110, 3315119 Grams : ALERT, New Delhi

AUDITORS REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of the Institute of Company Secretaries of India as at 31st March, 1997 and also the annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date and report that :

(a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;

(b) The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of account; and

(c) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements subject to note no. 7 regarding effect on the accounts due to change in the basis of valuation of study materials / publications and read with other notes and accounting policies attached thereto or appearing thereon, give a true and fair view:-

(i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at 31st March 1997; and

(ii) in the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

for KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

Sd/-
K. A. BALASUBRAMANIAN, Partner

Place : New Delhi
Dated : 01 September, 1997

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA, NEW DELHI

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 1997

(Amounts in Rs.)

Particulars	Schedule	1996-97	1995-96
INCOME			
Fees from Members and Students	10	119,916,247	84,185,268
Subscription to Journal & Bulletin and Advertisements		2,204,469	2,179,486
Sale of Publications		8,078,219	6,456,134
Interest on Investments (Gross) Tax deducted at source 'Nil'		11,732,407	5,493,035
Income from Programmes		2,144,400	2,689,300
Other incomes	11	933,342	864,511
TOTAL		145,009,084	101,867,734
EXPENDITURE			
Establishment	12	35,827,142	18,205,625
Postal Tuition		19,700,442	16,966,726
Publications and Office Stationery		5,176,244	3,738,969
Journal and Bulletins		8,055,274	5,955,849
Examinations		6,957,448	3,815,374
Communication	13	3,904,591	3,557,632
Grant to Regional Councils and Chapters		4,608,279	2,774,102
Regional Offices		485,383	353,941
Travelling and Conveyance		2,130,282	1,923,848
Depreciation	5	3,700,404	2,361,254
Students Scholarships and Awards		158,803	152,602
Professional Development Programmes and Training		2,261,068 *	2,505,927 *
Contr. to Hospitalisation Fund		4,000,000	1,000,000
Contr. to Co.Secy. Benevolent Fund		2,500,000	—
Other Expenses	14	8,824,698	5,301,360
		108,290,058	68,613,209
Excess of Income over Expenditure transferred to General Reserve		36,719,026	33,254,525
TOTAL		145,009,084	101,867,734

* includes surplus of Rs.2,53,240 (Previous year Rs.2,61,174) allocated to Region/Chapter and Benevolent Funds

As per our report of even date
For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

(K.A.Balasubramanian)
Partner

For and on behalf of the Council

(Dr. S.P.Narang) Secretary

(A.K.Sen) Vice-President

(D.K.Prahlada Rao) President

Place: New Delhi
Dated: 04 September, 1997

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA, NEW DELHI

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 1997

PARTICULARS	Schedule	31st March, 1997			31st March, 1996		
SOURCES OF FUNDS							
Capital Reserve	1			3,943,920			3,653,825
General Reserve	2			138,149,483			98,490,457
Scientific Research Reserve	3			11,299,021			4,214,312
Hospitalisation Fund	4			5,000,000			1,000,000
TOTAL				158,392,424			107,358,594
APPLICATION OF FUNDS							
Fixed Assets	5						
Gross Block		61,841,788			44,127,414		
Less: Depreciation		15,367,571			11,887,392		
			46,474,217			32,240,022	
Add : Advance for purchase of Land and Buildings under construction			11,171,662			4,934,144	
				57,645,879			37,174,166
Investments	6			79,186,837			39,317,424
Current Assets, Loans and Advances							
Current Assets	7						
Interest accrued on investments		7,728,484			2,291,980		
Stock in hand		6,656,615			10,482,079		
Sundry Debtors		878,955			617,372		
Cash and bank balances		31,456,829			24,506,474		
			46,720,883			37,897,905	
Loans and Advances	8		24,865,383			15,732,821	
			71,586,266			53,630,726	
Less: Current Liabilities and Provisions	9						
Liabilities		50,026,558			22,763,722		
Provisions		---			---		
			50,026,558			22,763,722	
				21,559,708			30,867,004
TOTAL				158,392,424			107,358,594
ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS	15						

As per our report of even date
For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

For and on behalf of the Council

(K.A.Balasubramanian)
Partner

Place: New Delhi	(Dr. S.P.Narang) Secretary	(A.K.Sen) Vice-President	(D.K.Prahlada Rao) President
Dated: 01 September, 1997			

CAPITAL RESERVE

SCHEDULE 1

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31st March, 1997		31st March, 1996	
As per last Balance Sheet		3,653,825		3,352,625
Entrance fees - Associate Members	228,900		245,400	
- Fellow Members	45,600		55,800	
Capital Profit on sale of Assets	15,595		0	
		290,095		301,200
TOTAL		3,943,920		3,653,825

GENERAL RESERVE

SCHEDULE 2

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31st March, 1997		31st March, 1996	
As per last Balance Sheet		98,490,457		84,722,[illegible]
Add: Contributions from Regional Councils/Chapters and direct donations				
- Land and Buildings	2,940,000		513,450	
- Other Assets	0		0	
		2,940,000		513,450
		101,430,457		85,235,932
Add: Surplus as per Income and Expenditure Account		36,719,026		33,254,525
TOTAL		138,149,483		98,490,457

SCIENTIFIC RESEARCH PROJECT (CCRT) RESERVE

SCHEDULE 3

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31st March, 1997	31st March, 1996
As per last Balance Sheet	4,214,312	1,168,340
Donations/Contribution received	7,014,662	2,965,484
Interest on earmarked funds	70,047	80,488
TOTAL	11,299,021	4,214,312

HOSPITALISATION FUND

SCHEDULE 4

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31st March, 1997	31st March, 1996
As per last Balance Sheet	1,000,000	—
Transferred from Income & Expenditure Account	4,000,000	1,000,000
	5,000,000	1,000,000

SCHEDULE OF FIXED ASSETS

SCHEDULE 5

(Amount in Rs.)

ITEM	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost as on 01.04.1996	Additions	Deductions	Total cost as on 31.03.1997	As on 01.04.1996	For the year	Deductions	Total as on 31.03.1997	As on 31.3.1997	As on 31.3.1996
LAND	5,157,888	4,394,287		9,552,175	0	0	0	0	9,552,175 *	5,157,888
BUILDINGS	27,613,942	5,995,304	234,405	33,374,841	5,995,722	1,553,113	82,909	7,465,926	25,908,915	21,618,220
FURNITURE AND FIXTURES	2,619,524	229,238		2,848,762	1,554,816	279,514		1,834,330	1,014,432	1,064,708
AC INSTALLATIONS AND COOLERS	1,077,192	113,905		1,191,097	810,227	57,130	0	867,357	323,740	266,965
ELECTRICAL EQUIPMENT	785,879	784,306		1,570,185	281,823	212,786		494,609	1,075,576	504,056
OFFICE/COMMUNICATION EQUIPMENT	2,707,442	555,012		3,262,454	1,221,235	311,473		1,532,708	1,729,746	1,486,207
OTHER EQUIPMENT	141,405	7,724		149,128	39,527	16,441	0	55,968	93,161	101,878
COMPUTERS/PRINTERS	2,256,724	5,345,842		7,602,566	815,823	1,018,011	0	1,833,834	5,768,732	1,440,901
LIBRARY BOOKS	1,504,457	405,534		1,909,991	1,002,268	181,545	0	1,183,813	726,178	502,189
VEHICLES	256,143	350,908	226,463	380,588	159,134	70,391	130,499	99,026	281,562	97,009
THIS YEAR TOTAL	44,120,596	18,102,060	460,868	61,841,788	11,880,575	3,700,404	213,408	15,367,571	46,474,217	32,240,022
PREVIOUS YEAR TOTAL	39,920,455	4,240,130	33,171	44,127,414	9,557,473	2,361,254	31,335	11,887,392	32,240,022	—

ADVANCES

ITEM	Cost as on 01.04.1996	Additions	Deductions	Total cost as on 31.03.1997	As on 01.04.1996	For the year	Deductions	Total as on 31.03.1997	As on 31.3.1997	As on 31.3.1996
PURCHASE OF LAND	1,159,375		859,375	300,000	0	0	0	0	300,000	1,159,375
BUILDINGS UNDER CONSTRUCTION										
- S/Research Project	3,169,995	7,120,999	24,106	10,266,888	0	0	0	0	10,266,888	3,169,995
- Others	604,774	0	0	604,774	0	0	0	0	604,774	604,774
THIS YEAR TOTAL	4,934,144	7,120,999	883,481	11,171,662	0	0	0	0	11,171,662	4,934,144
PREVIOUS YEAR TOTAL	2,819,154	3,631,443	1,516,453	4,934,144	0	0	0	0	4,934,144	—

* includes Rs.28,91,906 towards Land for Scientific Research Project (CCRT) at Mumbai

INVESTMENTS - AT COST

SCHEDULE 6

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31.3.1996	Additions	Deletions	31.3.1997
Fixed Deposits with Public Sector Undertakings				
- Steel Authority of India Ltd. (14.5-15%)	1,605,000	5,500,000	0	7,105,000
- National Thermal Power Corporation Ltd. (14%)	3,000,000	0	0	3,000,000
- Industrial Finance Corporation of India	0	2,123,143	0	2,123,143
Bonds of Public Sector Undertakings				
- 3900 (Previous Year 4600), 17% Bonds of Rs.1000 each of Mahanagar Telephone Nigam Ltd.	4,492,300	2,500,000	683,610	6,308,690
- 600 (Previous Year), 13% Bonds of Rs.1000 each of National Thermal Power Corpn. Ltd.	507,917	0	0	507,917
- 115 (Previous Year 45), 15.5-16.5% Bonds of Rs.1 Lac each and of Industrial Finance Corpn. of India	4,500,000	7,000,000	0	11,500,000
800, 16.5% Bonds of Rs.5000 each of Industrial Finance Corpn. of India	0	4,000,000	0	4,000,000
- 6000 (Previous Year 5000), 14-15% Bonds of Rs.1000 each of State Bank of India	4,837,500	920,000	0	5,757,500
- 10 (Previous Year 10), 16.25% Bonds of Rs.1 Lac each of Nuclear Power Corporation Ltd.	1,000,000	0	0	1,000,000
- 200 (Previous year 200), Zero Coupon Bonds of Rs.1 Lac each of Industrial Development Bank of India	9,600,000	0	0	9,600,000
- 45 (Previous Year 20), 16-16.75% Bonds of Rs.1 Lac each of Steel Authority of India Ltd.	2,000,000	2,500,000	0	4,500,000
- 11000 (Previous Year 2000), 16.25-17% Bonds of Rs.1000 each of National Hydro-Power Corpn. Ltd.	2,000,000	9,000,000	0	11,000,000
- 5, 16% Bonds of Rs.10 Lacs each and	0	5,000,000	0	5,000,000
30, 16% Bonds of Rs.1000 each of Industrial Credit and Investment Corpn. of India Ltd.	0	29,880	0	29,880 *
- 1000, 16.5% Bonds of 1000 each of Indian Railway Finance Corporation Ltd.	0	980,000	0	980,000
- 200, 16% Bonds of Rs.5000 each of Shipping Credit and Investment Corpn. of India Ltd.	0	1,000,000	0	1,000,000
Units (under US-64 Scheme) of the Unit Trust of India				
- 354043 Units, including 32413 Bonus Units (Previous Year 321630)	5,621,129	0	0	5,621,129
- 2550 Units (Previous Year 2550)	153,578	0	0	153,578 *
TOTAL	39,317,424	40,553,023	683,610	79,186,837

1. Market value of Bonds of Public Sector Undertakings as on 31.3.1997 is not available

2. The resale value of Units under US-64 Scheme of Unit Trust of India as on 31.3.1997 was Rs.52,31,219

* earmarked for Prize Awards

CURRENT ASSETS SCHEDULE 7

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31st March, 1997			31st March, 1996		
Interest Accrued on Investments			7,728,484			2,291,980
Stock (valued, taken and certified by the Management)						
(a) Publications		358,630			1,956,186	
(b) Paper		5,777,177			6,395,899	
(c) Study material		258,801			1,634,750	
(d) Others		262,007			495,244	10,482,079
			6,656,615			
Sundry Debtors (Unsecured)						
(a) Outstanding for more than six months						
i) Considered Good	67,890			56,370		
ii) Considered Doubtful	35,850			13,995		
	103,740			70,365		
(b) Others - Considered Good	811,065			561,002		
		914,805			631,367	
Less: Reserve for Bad & Doubtful Debts		(35,850)			(13,995)	
			878,955			617,372
Cash and Bank Balances						
(a) Cash, Cheques, Drafts, Postage stamps/franking units in hand		1,168,095			373,442	
(b) With scheduled banks						
- In savings bank accounts	12,756,812 *			9,099,110 *		
- In short-term deposits	4,600,000 **			5,700,000 **		
- In long-term deposits including Rs.33,922 (Previous Year Rs.33,922) for Prize Awards	12,933,922			9,333,922		
		30,290,734			24,133,032	
			31,456,829			24,506,474
TOTAL			46,720,883			37,897,905

* Includes Rs.9,04,854 (Previous Year Rs.11,45,527) earmarked against Scientific Research Project (CCRT) at Mumbai

** Includes Rs.5,00,000 (Previous Year Rs. 5,00,000) earmarked against Scientific Research Project (CCRT) at Mumbai

SCHEDULE [illegible]

LOANS AND ADVANCES

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31st March, 1997		31st March, 1996	
Loans				
Regional Councils/Chapters for buildings		18,524,449		9,757,471
Advances				
Employees	3,064,451		2,787,717	
Regional Councils/Chapters	186,508		179,762	
Others	1,771,752		2,140,972	
		5,022,711		5,108,451
Prepaid Expenses		943,504		595,730
Sundry Deposits		374,719		271,169
TOTAL		24,865,383		15,732,621

CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

SCHEDULE [illegible]

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31st March, 1997		31st March, 1996	
Liabilities				
Student Registration fee in advance		22,982,225		15,281,069
Other amounts received in advance		1,109,352		89,580
Payable to Regional Councils/Chapters		1,839,524		1,545,944
Sundry Creditors		594,262		627,045
Expenses Payable		20,340,064 *		4,815,708
Benevolent Funds				
Company Secretaries	2,653,622		45,998	
Employees	64,046		72,463	
		2,717,668		118,461
Deposit for prize awards (per contra)		217,500		207,500
Donation Reallocable		225,963		77,407
TOTAL		50,026,558		22,763,722

* includes Rs.125 Lacs (Previous Year 'Nil'), being provision for implementation of revision of pay and allowances and benefits as per 5th Pay Commission Report

FEES FROM MEMBERS AND STUDENTS

SCHEDULE 10

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	1996-97		1995-96	
Members				
Annual fees	2,876,000		2,791,323	
Other fees	9,600		23,677	
		2,885,600		2,815,000
Students				
Registration fees	17,285,598		11,046,738	
Exemption fees	3,686,710		3,338,233	
Postal Tuition fees	71,197,894		52,703,853	
Examination fees	24,572,115		14,004,170	
Licentiate fees	136,555		176,893	
Other fees	151,777		100,381	
		117,030,647		81,370,268
TOTAL		119,916,247		84,185,268

OTHER INCOMES

SCHEDULE 11

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	1996-97	1995-96
Incentive on Bonds	264,569	361,619
Profit on sale of investments	19,116	11,500
Insurance claim	0	314,535
Interest on staff advances	59,116	22,188
Expert advisory services	17,000	7,000
Surplus on disposal of assets	103,520	364
Provision no longer required, written back	389,028	75,063
Miscellaneous Income	80,993	72,242
TOTAL	933,342	864,511

ESTABLISHMENT

SCHEDULE 12

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	1996-97	1995-96
Salaries and Allowances	28,143,303	16,031,113
Contribution to: Provident Fund	1,445,580	[illegible]
Gratuity Fund	708,156	[illegible]
Pension Fund	3,540,968	[illegible]
Post-retirement Medical Scheme	672,240	--
Staff Welfare	1,316,895	[illegible]
TOTAL	35,827,142 *	18,705,625

COMMUNICATION

SCHEDULE 13

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	1996-97	1995-96
Postage and Telegrams	3,144,721	2,952,652
Telephone, Fax and Telex	759,870	604,980
TOTAL	3,904,591	3,557,632

OTHER EXPENSES

SCHEDULE 14

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	1996-97		1995-96	
Advertisement and Publicity		1,248,708		1,248,153
Bank charges		86,738		58,307
Electricity and Water		1,235,312		577,778
Insurance		47,008		39,222
Rent, Rates and Taxes		702,478		253,185
Repairs and Maintenance - Buildings	608,810		99,789	
- Vehicles	76,937		106,994	
- Others	454,231		358,845	
		1,139,978		565,628
Legal and Professional charges		588,723		153,340
Office expenses		796,488		822,618
Computerisation - Data processing	1,222,322		448,816	
- Software	368,909		—	
		1,591,231		448,816
Meetings		240,613		201,432
Packing, Cartage and Freight		922,622		656,229
Security Services		167,744		150,277
Audit fees		35,000		20,000
Provision for Doubtful Debts		21,855		6,375
TOTAL		8,824,698		5,301,380

SCHEDULE 15

Accounting Policies and Notes to Financial Statements

(A) Accounting Policies

1. Donations and Contributions by Regional Councils/Chapters

Direct donations and contributions made by Regional Councils/Chapters towards purchase of land/buildings and other assets are taken to General Reserve and the funds actually utilised charged directly to General Reserve.

2. Fees

(a) Entrance fee from Associate and Fellow Members is directly credited to Capital Reserves when received.

(b) Fees received from members is accounted for on cash basis. However, fees received in advance, is carried over as a liability.

(c) Fees other than registration fees, received from students is accounted for on cash basis. Registration fee received is spread over a period of five years since the benefit accrues to students for a five years period.

3. Investments

Investments are stated at cost.

4. Fixed Assets

(a) Depreciation on fixed assets is charged on written down value basis at the following rates :

	%
Building	5
Furniture and Fixtures	10
Air Conditioners/Coolers, Computers and other Equipments	15
Library Books	20
Vehicles	20

(b) Depreciation on additions is charged for the full year irrespective of dates of additions.

(c) Fixed assets, except library books, costing Rs. 5,000 or less are fully depreciated in the year of acquisition.

(c) Assets whose written down value is Rs. 250/ - or less at the beginning of the year are fully depreciated.

5. Inventories

(a) Stock of paper and other materials are valued at cost.

(b) Stock of study materials, publications, Journal / Bulletin and audio cassettes are valued at nominal cost of Rs. 1/- for items costing upto Rs. 50/- and Rs. 5/- for items costing above Rs. 50/-.

6. Employees' Retirement and other Benefits

(a) Contribution to Pension Fund Trust is made on the basis of actuarial valuation .

(b) Contribution to Gratuity Fund Trust is made in accordance with the Group Gratuity Scheme with the Life Insurance Corporation of India.

(c) Leave encashment is accounted for on cash basis.

7. Interest

(a) Interest on investments is accounted for on accrual basis.

(b) Interest on loan to employees is accounted for on cash basis when received and no accrual thereof is created.

(B) Notes to Financial Statement

1. The Institute has received exemption certificate dated 17.06.97 under section 10(23c) (iv) of the Income Tax Act, 1961 upto the financial year 1996-97. In view of the exemption under the said section , no provision for tax has been made in the accounts.

2. In respect of building at Prasad Nagar, New Delhi, the High Court vide order dated 29.01.97 has awarded a sum of Rs. 13.29 lacs (including interest @ 12% per annum of Rs. 3.11 lacs upto 9th July 1997) in favour of the contractors against claim of Rs. 57.21 lacs preferred by them against the Institute.

The matter having been settled vide Hight Court Order dated 29th April 1997, provision for Rs. 13.29 lacs has been created by raising a debit for an equivalent amount in the Building account. Depreciation of Rs. 2.46 lacs has been charged on this addition from 31st March 1994 to 31st March 1997 and debited to Income & Expenditure account.

3. Freehold land measuring 500 Sq. Yards allotted by the Haryana Urban Development Authority at Faridabad to Faridabad Chapter of the Institute at Rs. 3.65 lacs. could not be handed over by HUDA due to some dispute in the title and the authorities had promised to allot alternative plot of land which had not been effected so far. Pending allottment of alternative site a sum of Rs. 3.65 lacs paid till date (Rs. 3 lacs is reflected in Advances for purchase of land in the Institute's book and Rs. 0.65 lacs in the books of the Chapter). continues to be included under advances.

4. Provision for property tax of Rs. 12 lacs (including Rs. 2 lacs for the current year) has been made in the accounts in respect of building at Prasad Nagar, on an estimated basis. The difference, if any, between the amount provided and that payable will be accounted for in the year when the matter is finally decided.

5. Provision of Rs. 125 lacs has been made for arrears of salary and allowances and also contributions to the Trusts which may become payable on implementation of the revised pay scales as recommended by the Vth Pay Commission on estimated basis. Adjustment , if any, required is proposed to be made on finalisation / implementation of revised scales of pay.

6. An amount of Rs.6,04,773.80 paid to OTIS for lift at Prasad Nagar building, continues to be shown as advance in the fixed assets schedule, since the same has not yet become operational for want of permanent electricity connection.

7. Hitherto the Institute has been evaluating closing inventories of its publications/study materials based on the direct cost of such publications. Commencing from this year, since the publications/study materials have no value except

to the students and that too only when purchased, it has been decided as a prudent measure to evaluate these at nominal values. Consequent to this change in the basis of valuation, the inventories of publications/study materials have been written down to Rs.8,79,438 from Rs.48,59,844 with resultant impact on the surplus/ assets of the year.

8. Balances outstanding in advances recoverable account Loans to Regional Councils/Chapters are subject to confirmation.

9. Previous years' figures have been regrouped/rearranged wherever necessary to compare with current years' figures.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054 — 1997